

- वह वस्तु क्या कहलाती है, जिसके विनिमय के माध्यम, मूल्य के मापक, ऋणों के भुगतान तथा मूल्य के संचय के साधन के रूप में वैधानिक, स्वतंत्र, विस्तृत तथा सामान्य स्वीकृति प्राप्त हो? - **मुद्रा (Money)**
- किसी भी देश में दैनिक जीवन में प्रयुक्त मुद्रा क्या कहलाती है? - **वास्तविक मुद्रा (Real Money)**
- लेखे की मुद्रा अथवा हिसाब की मुद्रा (Account Money) उस मुद्रा को कहते हैं, जिसमें ऋण, वस्तुओं का मूल्य तथा सामान्य क्रय शक्ति व्यक्त की जाती है। इसका मान कैसा होता है? - **प्रायः स्थायी**
- किसी देश में उस मुद्रा को क्या कहा जाता है, जिसको विनिमय के माध्यम तथा मूल्य के मापक के रूप में स्वीकार करने की कानूनी बाध्यता होती है? - **विधि ग्राह्य मुद्रा (Legal Tender Money)**
- भारत में प्रचलित सभी सिक्के तथा नोट्स किस प्रकार की मुद्राएं हैं? - **विधि ग्राह्य मुद्रा**
- यदि किसी व्यक्ति को किसी को एक करोड़ रुपये का भुगतान करना है और वह यदि इस राशि का भुगतान एक रुपये के नोटों से करता है और वह व्यक्ति इसे स्वीकार करने से मना कर देता है तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जा सकती है या नहीं? - **की जा सकती है**
- उस मुद्रा को क्या कहा जाता है, जिसे भुगतान के रूप में स्वीकार करने के लिए किसी को बाध्य नहीं किया जा सकता? - **ऐच्छिक मुद्रा (Optional Money)**
- चेक, ड्राफ्ट, हुंडी, विनिमय विपत्र आदि किस प्रकार की मुद्रा के उदाहरण हैं? - **ऐच्छिक मुद्रा**
- बैंक द्वारा निर्गमित बैंक ड्राफ्ट, चेक, साख पत्र, यात्री चेक इत्यादि किस प्रकार की मुद्रा हैं? - **बैंक मुद्रा (Bank Money)**
- यात्री चेक जैसी बैंक मुद्राएं विधि ग्राह्य मुद्राएं हैं या ऐच्छिक? - **ऐच्छिक मुद्रा**
- बैंक मुद्रा यथा- चेक, बैंक ड्राफ्ट, यात्री चेक आदि के अतिरिक्त प्रतिज्ञा पत्र, हुंडी, बिल आदि को भी किस प्रकार की मुद्रा में सम्मिलित किया जाता है? - **साख मुद्रा (Credit Money)**
- किसी भी देश की उस प्रधान मुद्रा को क्या कहते हैं, जिसका आंतरिक एवं अंकित मूल्य समान होता है तथा असीमित रूप से विधि ग्राह्य होती है? - **प्रामाणिक मुद्रा (Standard Money)**
- किस वर्ष तक भारत में प्रचलित चांदी का सिक्का प्रामाणिक सिक्का था? - **सन् 1893 तक**
- उस मुद्रा को क्या कहा जाता है, जिसका आंतरिक और अंकित मूल्य समान नहीं होता है? - **सांकेतिक मुद्रा (Token Money)**
- किस मुद्रा को आधुनिक युग की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जाता है? - **पत्र मुद्रा (Paper Money)**
- पत्र मुद्रा के तहत निर्गमन अधिकारी, केंद्रीय बैंक या सरकार धारक को उस पर अंकित राशि देने का लिखित वचन देती है, जो मांग पर देय (Payable on Demand) होता है तथा इसका निर्गमन एक निश्चित विधान के अंतर्गत किया जाता है। इसे किस प्रकार का नोट कहा जाता है? - **प्रतिज्ञा पत्र (Promissory Note)**

वस्तु विनिमय प्रणाली

वस्तुओं के बदले में वस्तुओं का आदान-प्रदान करना वस्तु विनिमय प्रणाली (Barter System) कहलाता है। इसमें मुद्रा का उपयोग नहीं होता है।

ग्रेशम का नियम

ग्रेशम के नियम (Grasham's Law) के अनुसार यदि किसी देश में घटिया और बढ़िया दो प्रकार की मुद्राएं एक साथ चलन में हों तो घटिया मुद्राएं बढ़िया मुद्राओं को चलन से बाहर कर देती हैं।

सस्ती मुद्रा

वह मुद्रा जिसको कम व्याज दर पर प्राप्त किया जा सकता है, सस्ती मुद्रा (Cheap Money) कहा जाता है।

गरम मुद्रा

गरम मुद्रा (Hot Money) वह विदेशी मुद्रा होती है, जिसमें शीघ्र पलायन कर जाने की प्रवृत्ति होती है। हॉट मनी वहां स्थानांतरित हो जाती है, जहां लाभार्जन की अधिक सम्भावना रहती है।

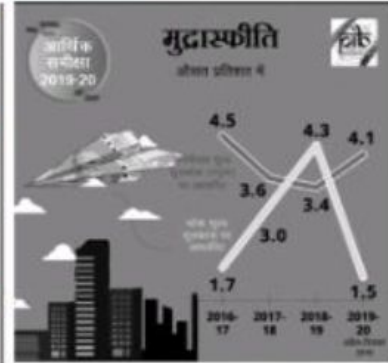
विधि ग्राह्य मुद्रा

जिस मुद्रा में किए गए भुगतान को लेनदार संवैधानिक रूप से स्वीकार करने से इंकार नहीं कर सकता है, उसे विधि ग्राह्य मुद्रा (Legal Tender Money) कहते हैं। भारत की विधि ग्राह्य मुद्रा रुपया है।

प्लास्टिक मुद्रा

प्लास्टिक मुद्रा (Plastic Money) उन हार्ड प्लास्टिक कार्डों को कहा जाता है, जिसका इस्तेमाल हम मुख्य रूप से वास्तविक बैंक नोटों के बदले करते हैं। इनके विभिन्न रूप हो सकते हैं, यथा- कैश कार्ड, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, प्रीपेड कैश कार्ड और

- विश्व में नवीं शताब्दी में पत्र मुद्रा का प्रचलन सर्वप्रथम कहाँ हुआ? - चीन में
- भारत में प्रचलित दो, पांच, दस, बीस, पचास, सौ, दो सौ, पांच सौ तथा दो हजार रुपये के नोट पत्रमुद्रा के उदाहरण हैं। इन सभी नोटों का निर्गमन किसके द्वारा किया जाता है? - भारतीय रिजर्व बैंक
- जिस पत्र मुद्रा के निर्गमन के पीछे शत-प्रतिशत धातु कोष (स्वर्ण या चांदी) रखा जाता है, उसे प्रतिनिधि पत्र मुद्रा (Representative Paper Currency) कहा जाता है। उस मुद्रा को क्या कहा जाता है, जिसको निर्गमन अधिकारी बिना शत-प्रतिशत धातुकोष रखे निकालता है तथा मांग पर स्वर्ण या चांदी अथवा देश की प्रधान मुद्रा में परिवर्तित करने की गारंटी देता है? - परिवर्तनशील पत्र मुद्रा (Convertible Paper Currency)
- उस पत्र मुद्रा को क्या कहा जाता है, जिसको सरकार का मुद्रा निर्गमन अधिकारी द्वारा स्वर्ण या रजत या प्रामाणिक मुद्रा से बदलने का कोई वचन नहीं दिया जाता और न ही सरकार का मुद्रा निर्गमन अधिकारी को ऐसा करने के लिए बाध्य किया जा सकता है? - अपरिवर्तनशील मुद्रा (None-Convertible Paper Currency)
- जब सामान्यतः संकटकालीन परिस्थितियों में बिना धातु कोष रखे कोई अपरिवर्तनशील पत्र मुद्रा निर्गमित की जाती है तो उसको क्या कहा जाता है? - प्राविष्ट पत्र मुद्रा (Fiat Money)
- प्राविष्ट मुद्रा या फियेट मनी को और किस नाम से जाना जाता है? - संकटकालीन मुद्रा
- जिस मुद्रा की पूर्ति अधिक और मांग कम हो उसको सुलभ मुद्रा (Soft Currency) तथा पूर्ति कम तथा मांग अधिक हो उसको दुर्लभ मुद्रा (Hard Currency) कहा जाता है। उस विदेशी मुद्रा को क्या कहा जाता है जिसे किसी देश या विदेशी मुद्रा बाजार से पलायित होने की प्रवृत्ति होती है? - हॉट मनी (Hot Money)
- भारत में यदि आप 5 रुपये के एक सिक्के को पिघला कर उस धातु को बाजार में बेचना चाहें तो पांच रुपये प्राप्त कर पाना बड़ा कठिन होगा। इस प्रकार के सिक्के को क्या कहा जाता है? - सांकेतिक सिक्के
- भारत में एक रुपये के करेंसी नोट को छोड़कर सभी नोटों पर भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के हस्ताक्षर होते हैं। एक रुपये के नोट पर किसका हस्ताक्षर होता है? - सचिव, वित्त मंत्रालय
- मुद्रा के मूल्य में परिवर्तन अर्थव्यवस्था के लिए लाभदायक तथा हानिकारक दोनों ही हो सकता है। मुद्रा के मूल्य में परिवर्तन को क्या कहा जाता है? - मुद्रास्फीति अथवा मुद्रा संकुचन
- जब वस्तुओं के मूल्यों में तेजी से वृद्धि होती हो तथा मुद्रा के मूल्य में तेजी से गिरावट आती हो तो मुद्रा मूल्य में परिवर्तन की ऐसी स्थिति को क्या कहते हैं? - मुद्रास्फीति (Inflation)
- मुद्रास्फीति किन दो तरह की आर्थों में अंतर के कारण उत्पन्न होती है? - मौद्रिक आय तथा वास्तविक आय
- स्फीति की उस दर को क्या कहा जाता है जिसको कोई अर्थव्यवस्था बिना किसी प्रतिकूल प्रभाव के वहन कर सके? - मुद्रास्फीति की इष्टतम दर
- जब उत्पादन लागत में वृद्धि के कारण मुद्रास्फीति उत्पन्न होती है, तो इसे क्या कहा जाता है? - लागत जन्य मुद्रास्फीति (Cost Push Inflation)
- वर्तमान मूल्यों पर कुल मांग कुल पूर्ति से अधिक होने के कारण कीमतों तथा मूल्य स्तर में वृद्धि होती रहती है। ऐसी मुद्रास्फीति को क्या कहा जाता है? - मांग प्रेरित मुद्रास्फीति (Demand Pull Inflation)



स्टोर कार्ड। कैश कार्ड से आप संबंधित बैंक या अधिकृत बैंक के एटीएम से पैसे निकाल सकते हैं, लेकिन उससे सीधे कुछ खरीद नहीं सकते। क्रेडिट कार्ड से नकदी भी निकाल सकते हैं और उसकी सहायता से सीधे खरीददारी भी कर सकते हैं, लेकिन यह एक तरह से उच्च ब्याज दर वाला ऋण होता है। हालाँकि इस ब्याज दर से समय पर भुगतान कर बचा भी जा सकता है। जबकि डेबिट कार्ड से आप पैसे निकाल सकते हैं और सीधे खरीददारी भी कर सकते हैं, लेकिन यह पैसा आपके बैंक खाते से कट जाता है। उधर प्रीपेड कैश कार्ड पहले से ही पैसे का भुगतान कर प्राप्त किया जाता है और उसका इस्तेमाल निश्चित भुगतान से ज्यादा नहीं किया जा सकता। गिफ्ट कार्ड इसका एक उदाहरण है। स्टोर कार्ड को किसी स्टोर या स्टोर ब्रांड द्वारा उपभोक्ता को जारी किया जाता है और उसका इस्तेमाल उस स्टोर विशेष से या स्टोर ब्रांड विशेष का सामान खरीदने के समय किया जाता है। प्लास्टिक मुद्रा के इस्तेमाल से देश नकदी रहित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ेगा, जिससे कागजी मुद्रा पर निर्भरता कम होगी तथा नोट छपाई पर होने वाला व्यय कम होगा।

मुद्रास्फीतिक अंतराल

पूर्ण रोजगार की स्थिति में सकल पूर्ति पर सकल मांग के आधिक्य को मुद्रास्फीतिक अंतराल (Inflationary Gap) कहा जाता है, जिसके कारण मुद्रास्फीति आती है।

मुद्रा, बैंकिंग और पूंजी बाजार

- जब मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि या उपभोग एवं निवेश प्रवृत्ति में वृद्धि के कारण मूल्यों में वृद्धि होती है, तो उत्पादन एवं रोजगार नहीं बढ़ते हैं क्योंकि पूर्ण रोजगार प्राप्त हो चुका होता है। इसलिए कीमतें उसी अनुपात में बढ़ती हैं, जिस अनुपात में मुद्रा की मात्रा बढ़ती है। इस अवस्था को क्या कहा जाता है?

- पूर्ण मुद्रास्फीति या वास्तविक मुद्रास्फीति

- जब वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें समय के साथ-साथ धीरे-धीरे बढ़ती हैं, तो उसको रेंगती हुई मुद्रास्फीति (Creeping Inflation) कहा जाता है। इस अवस्था में कीमतें बढ़ने की औसत गति कितनी होती है? - **मात्र 3% या इससे भी कम**
- जब मुद्रास्फीति की दर सालाना औसतन 3 प्रतिशत से 4 प्रतिशत के बीच होती है, तो ऐसी मुद्रास्फीति को क्या कहा जाता है?

- चलती हुई मुद्रास्फीति (Walking Inflation)

- जब कीमतों में वृद्धि की दर 8 से 11 प्रतिशत के बीच होती है, तब इस मौद्रिक अवस्था को दौड़ती हुई मुद्रास्फीति (Running Inflation) कहा जाता है। जब वस्तुओं की कीमतें इससे भी तीव्र दर से बढ़ती हैं और इसके बढ़ने की कोई सीमा नहीं होती, तो ऐसी मुद्रास्फीति को क्या कहा जाता है?

- कूदती हुई मुद्रास्फीति (Galloping Inflation)

- जब वस्तुओं के मूल्यों में तेजी से गिरावट होने लगती है तथा मुद्रा की क्रयशक्ति तेजी से बढ़ने लगती है, तो इस स्थिति को क्या कहा जाता है?

- मुद्रा संकुचन (Deflation)

- जब मौद्रिक आय की तुलना में वास्तविक आय अधिक हो जाती है, तो अर्थव्यवस्था में मांग में क्या परिवर्तन होता है? - **कमी होती है**
- जब सरकार कृत्रिम तरीके से मुद्रास्फीति को कम करके उसके कुप्रभावों से अर्थव्यवस्था तथा लोगों को बचाने का प्रयास करती है, तो ऐसी स्थिति को क्या कहा जाता है?

- मुद्रा विस्फीति (Disinflation)

- मुद्रा संकुचन के दुष्प्रभावों को दूर करने के लिए जान-बूझकर कृत्रिम तरीके से मुद्रास्फीति की नीति अपनायी जाती है, ताकि अर्थव्यवस्था में मांग में वृद्धि की जा सके। ऐसी मौद्रिक अवस्था को क्या कहा जाता है? - **मुद्रा संस्फीति (Reflation)**

मुद्रास्फीति और मुद्रा संकुचन का प्रभाव

वर्ग/क्षेत्र	मुद्रास्फीति का प्रभाव	मुद्रा संकुचन का प्रभाव
उपभोक्ता	नकारात्मक	सकारात्मक
ऋणी	लाभ	हानि
ऋणदाता	हानि	लाभ
निश्चित आय वाले निवेशकर्ता	हानि	लाभ
अनिश्चित आय वाले निवेशकर्ता	लाभ	हानि
सार्वजनिक बचत	कमी	वृद्धि
सार्वजनिक ऋण	वृद्धि	कमी
आयात	वृद्धि	कमी
निर्यात	कमी	वृद्धि
रोजगार	वृद्धि	कमी
बैंकिंग तथा बीमा कंपनियां	विकास	पतन
करारोपण	वृद्धि	कमी
नैतिकता	गिरावट	बढ़ावा

मुद्रा अपस्फीति

जब देश में मुद्रास्फीति की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, तो उसे सामान्य स्तर पर लाने के लिए मुद्रा की मात्रा में कमी की जाती है तो यह प्रक्रिया मुद्रा अपस्फीति (Disinflation) कहलाती है। ध्यान रखें कि मुद्रा संकुचन का प्रभाव देश में मंदी की स्थिति उत्पन्न कर देता है, जबकि मुद्रा अपस्फीति मूल्य स्तर को सामान्य अवस्था में लाने के लिए की जाती है।

तरलता जाल

एक ऐसी स्थिति, जिसके अनुसार मुद्रा पूर्ति में वृद्धि के कारण बाजार की दर में वृद्धि नहीं होगी, क्योंकि इस दर पर मांग अनंत मात्रा में है, तरलता जाल (Liquidity Trap) कहलाता है। इस दर पर तरलता अधिमान वक्र आकार में अक्ष के समांतर होगा।

सीपीआई की नई शृंखला

केंद्रीय सांख्यिकी संगठन, सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने पूरे भारत और राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए आधार वर्ष (2010=100) के साथ मासिक आधार पर अलग से ग्रामीण, शहरी और संयुक्त सीपीआई जनवरी 2011 से जारी किया। इसके अतिरिक्त, अलग से पूरे भारत के लिए ग्रामीण, शहरी और संयुक्त उपभोक्ता खर्च मूल्य सूचकांक (सीएफपीआई) को मई 2014 में जारी किया। नए सीपीआई शृंखलाओं के लिए भारत डायग्राम को एनएसएस के 61वें दौर के उपभोक्ता व्यय समीक्षा आंकड़ा (2004-05) से प्राप्त शहरी/ग्रामीण के औसत मासिक उपभोक्ता व्यय के आधार पर लिया गया था। सीएसओ ने 2010=100 से 2012=100 तक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार वर्ष को संशोधित किया था। एनएसएस ने 68वें दौर के उपभोग व्यय समीक्षा 2011-12 के संशोधित मिश्रित संदर्भ अवधि आंकड़े का प्रयोग करते हुए संशोधित शृंखलाओं के लिए मंदी और भारत डायग्राम के बास्केट को तैयार किया गया है।

- मुद्रा के मूल्य में परिवर्तन की वह स्थिति, जिसमें मूल्य वृद्धि के साथ आर्थिक निष्क्रियता एवं बेरोजगारी की स्थिति (अर्थात् स्फीति और मंदी दोनों) विद्यमान रहती है, क्या कहलाती है?
- **मुद्रा अवपात (Stagflation)**
- उस प्रक्रिया को क्या कहा जाता है, जिसके तहत पुरानी मुद्रा के स्थान पर नई मुद्रा निर्गमित की जाती है या कुछ पुरानी मुद्रा को समाप्त कर दिया जाता है?
- **विमुद्रीकरण (Demonetization)**
- अधिस्फीति (Hyper Inflation) की सबसे पहले चर्चा किस अर्थशास्त्री ने की थी?
- **फिलिप केनन (1956)**
- जब मजदूर संगठन मजदूरी में बहुत अधिक वृद्धि कराने में अथवा बाजार की अपूर्णता के कारण व्यापारी अपना लाभ बढ़ाने में सफल हो जाते हैं, तो इस वजह से बढ़ने वाली कीमत को क्या कहा जाता है?
- **लागत जन्य स्फीति**
- जब कीमतें बिना किसी निबंधन के बढ़ती हैं, तब इस मूल्यवृद्धि को क्या कहा जाता है?
- **खुली स्फीति (Open Inflation)**
- जब सरकार कई नीतिगत उपायों के माध्यम से मूल्य स्तर को एक सीमा में रखने का प्रयास करे और मूल्य स्तर उतना ऊंचा न दिखे जितना वास्तव में वह हो तो उस स्फीति को क्या कहा जाता है?
- **दमित स्फीति (Suppressed Inflation)**
- किस अर्थशास्त्री का यह दृष्टिकोण है कि मुद्रास्फीति सिद्धांत पूर्णतया एक गैर-मैट्रिक सिद्धांत है तथा मुद्रास्फीति पूर्ण रोजगार की प्राप्ति के उपरान्त व्यय एवं मांग में वृद्धि मूल्य स्तर में वृद्धि लायेगी, पूर्ण रोजगार के पहले मूल्य की वृद्धि स्फीतिक नहीं होगी?
- **जॉन मेनार्ड कीन्स**
- जॉन मेनार्ड कीन्स ने 1940 में अपनी किस पुस्तक में स्फीति अवधारणा की व्याख्या की?
- **हाउ टु पे फॉर वार**
- संभावित निवेश और पूर्ण रोजगार स्तर पर हो रही वचत के बीच के अंतर को क्या कहा जाता है?
- **स्फीतिक अंतराल (Inflationary Gap)**
- जब किसी अर्थव्यवस्था में वस्तुओं की कीमतें निरंतर गिरने लगती हैं, तब उत्पादन और रोजगार में गिरावट आती है और मुद्रा की क्रयशक्ति बढ़ती है, तो उस स्थिति को क्या कहा जाता है?
- **अवस्फीति (Deflation)**
- अवस्फीति के लिए यह आवश्यक है कि कीमतों में निरंतर गिरावट के साथ-साथ उत्पादन और आय में भी क्या हो?
- **हाम**
- यदि अर्थव्यवस्था में पहले मुद्रास्फीति की स्थिति हो और उसे नियंत्रित करने के लिए सरकार मुद्रा संकुचन करती है जिसके कारण कीमतें गिरने लगती हैं परंतु वास्तविक उत्पादन और आय में कोई गिरावट नहीं आती है, तो इस स्थिति को क्या कहा जाता है- विस्फीति या अवस्फीति?
- **विस्फीति (Disinflation)**
- स्थायी मुद्रास्फीति (Core Inflation) का अवधारणा का प्रतिपादन 1981 में किसने किया?
- **इस्कस्टेन**
- मुद्रास्फीति की गणना किन दो मूल्य सूचकांकों के आधार पर की जाती है?
- **थोक मूल्य सूचकांक तथा उपभोक्ता मूल्य सूचकांक**
- थोक मूल्य सूचकांक और उपभोक्ता थोक मूल्य सूचकांक के अलावा किसकी सहायता से मुद्रास्फीति का आकलन किया जाता है?
- **जीडीपी डिफ्लेटर**
- भारतीय रिजर्व बैंक ने 1 अप्रैल, 2014 को मुद्रास्फीति के आकलन के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक को प्रमुख पैमाने के तौर पर अपनाया। उपभोक्ता मूल्य सूचकांकों के आंकड़े भारत में कौन जारी करता है? - **केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन**

थोमस (WPI) और उमूस (CPI)

थोक मूल्य सूचकांक (थोमस-WPI) के आंकड़े प्रति सप्ताह उपलब्ध होते हैं, जबकि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (उमूस-CPI) के आंकड़े प्रति माह हासिल होते हैं। आंकड़ों के इस आवधिक अंतर की वजह से मुद्रास्फीति की गणना में इनका एक साथ इस्तेमाल नहीं हो पाता। उभर उमूस तीन तरह के हैं- पहला, औद्योगिक श्रमिकों के लिए उमूस (CPI-IW), दूसरा, कृषि श्रमिकों/ग्रामीण श्रमिकों के लिए उमूस (CPI-AL&RL), तथा तीसरा, उमूस (ग्रामीण/ शहरी/ संयुक्त)। शहरी गैर-मैन्युअल कर्मचारियों के लिए उमूस (CPI-UNME) के केंद्रीय स्तर के सूचकांक को 2008 में तथा अखिल भारतीय स्तर पर उमूस CPI-UNME को 2011 में समाप्त कर दिया गया। तर्क यह दिया जाता है कि देश में एक उमूस होना चाहिए जिसका रिजर्व बैंक या भारत सरकार द्वारा इस्तेमाल किया जा सके। मुद्रास्फीति की गणना में थोमस के इस्तेमाल का एक बड़ा कारण यह भी है कि यह उमूस की तुलना में ज्यादा व्यापक है तथा इसका आकलन अखिल भारतीय स्तर पर किया जाता है। जबकि उमूस का आकलन पहले भारत के विभिन्न केंद्रों/क्षेत्रों में किया जाता है। भारत में सबसे पहले 1902 में थोक मूल्य सूचकांक प्रकाशित किए गए थे।

विमुद्रीकरण

देश में काला धन बढ़ने पर (जब वह अर्थव्यवस्था के लिए खतरा बन जाये) विमुद्रीकरण (Demonetization) की विधि प्रचलन में लायी जाती है। विमुद्रीकरण में सरकार पुरानी मुद्रा को समाप्त करके नई मुद्रा प्रचलन में लाती है। जिसके फलस्वरूप काला धन होता है, वह कर चोरी के आरोप के भय से उसके बदले में नई मुद्रा लेने का साहस नहीं कर पाता है।

मुद्रा, बैंकिंग और पूंजी बाजार

- केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन ने भारत और राज्य क्षेत्रों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांकों की गणना का नया आधार वर्ष क्या निर्धारित किया है? - वर्ष 2010
- भारत में मुद्रास्फीति की गणना औसत विधि और बिंदु दर बिंदु दोनों विधियों के आधार पर की जाती है, परंतु इन दोनों विधियों में से किसको वास्तविक माना जाता है? - बिंदु दर बिंदु विधि
- भारत में थोक मूल्य सूचकांक के आंकड़ों को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार प्रकाशित करता है। भारत में थोक मूल्य सूचकांक को तीन भागों में विभाजित किया जाता है- प्राथमिक वस्तुएं, ईंधन एवं विद्युत तथा विनिर्मित वस्तुएं। इनमें से किन वस्तुओं का हिस्सा थोमस (WPI) में सर्वाधिक है? - विनिर्मित वस्तुएं (65%)
(प्राथमिक वस्तुएं- 20.1%, ईंधन एवं विद्युत- 14.9%)
- प्राथमिक वस्तुओं के समूह में खाद्य वस्तुओं का भार 14.3% है। भारत में थोक मूल्य सूचकांक में कितनी वस्तुओं का कॉमोडिटी बास्केट शामिल होता है? - 676
- सभी उपभोक्ता मूल्य सूचकांकों तथा-CPI-IW, CPI-AL&RL, और CPI-UNME को किस अंतर्राष्ट्रीय संगठन के मानकों तथा निर्देशों के अनुसार तैयार किया जाता है? - अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन
- मौद्रिक जीडीपी में वृद्धि और वास्तविक जीडीपी की वृद्धि के बीच का अंतर जीडीपी की कीमत में वृद्धि मानी जाती है। इसे क्या कहा जाता है? - जीडीपी डिफ्लेटर
- आजकल डॉक्टरों की फीस और स्कूलों में छात्र-छात्राओं के शिक्षण शुल्क में काफी वृद्धि देखी गई है। किसी न किसी रूप में इनसे भी मुद्रास्फीति बढ़ती है। क्या ऐसी सेवाओं को थोक मूल्य सूचकांक की गणना में शामिल किया जाता है? - नहीं
- आय से अधिक उपभोग को क्या कहा जाता है? - निर्बंधन
- किस वक्र के माध्यम से यह पता चलता है कि मजदूरी दर में वृद्धि के कारण बेरोजगारी की दर में क्या और कितना परिवर्तन होता है? - फिलिप्स वक्र
- चूंकि पूंजी और मुद्रा परस्पर स्थानापन्नीय हैं, इसलिए बढ़ती स्फीति के फलस्वरूप पूंजी संचयन बढ़ सकता है जिसकी वजह से स्फीति आर्थिक विकास में सहायक होगी। इसे किस प्रभाव के नाम से जाना जाता है? - टॉबिन प्रभाव
- "कम आय वर्ग वाले उपभोक्ता अपने आय का अधिकांश भाग खाद्यान्न पर व्यय करते हैं। आय में वृद्धि होने पर खाद्यान्न पर व्यय किया जाने वाला भाग क्रमशः घटता जाता है।" अर्थशास्त्र में ऐसा किस नियम के तहत होता है? - एंग्रिल का नियम
- किस नियम के अनुसार चुरी मुद्रा अच्छी मुद्रा को चलन से बाहर कर देती है? - ग्रेशम का नियम
- वह मुद्रा जिसके पक्ष में भुगतान का संतुलन रहता है, कहलाता है? - उदार मुद्रा (Soft Currency)
- यदि किसी धातु के सिक्के का अंकित मूल्य उस धातु के वास्तविक मूल्य से अधिक हो, तो उस सिक्के को क्या कहा जाता है? - सांकेतिक सिक्का (Token Coin)
- विभिन्न देशों की मुद्राओं के सरकारी और गैर-सरकारी मूल्यों में होने वाले अत्यधिक उतार-चढ़ाव के मद्देनजर कुछ देशों ने अपने देश की मुद्रा का अन्य देशों की मुद्राओं के सापेक्ष मूल्य निर्धारित न करने का निर्णय किया ताकि दैनिक आधार पर मुद्रा का मूल्य निर्धारित हो सके। मुद्रा मूल्य निर्धारण को इस प्रक्रिया को क्या कहा जाता है? - फ्लोटिंग-ए-करेंसी (मुद्रा का प्लावन)
- कोई भी कम्पनी शेयर जारी करते समय शेयर मूल्य का कुछ भाग शेयर आवेदन पत्र के साथ लेती है तथा शेष राशि शेयरधारकों से एक निश्चित तिथि तक किरतों में मांगी जाती है। इसे क्या कहा जाता है? - कॉल मनी (Call Money)

स्वर्णमान

जब किसी देश की मुख्य मुद्रा स्वर्ण में परिवर्तनशील होती है अथवा मुद्रा के मूल्य को स्वर्ण में मापा जाता है तो इस मौद्रिक व्यवस्था को स्वर्णमान (Gold Standard) कहते हैं। ध्यातव्य है कि वर्तमान में किसी देश में अब स्वर्णमान नहीं है।

मुद्रामान

मुद्रामान (Monetary Standard) से आशय ऐसी व्यवस्था से है, जिसके अंतर्गत देश का मुद्रा का मूल्य किसी मूल्यवान धातु की इकाई में निश्चित किया जाता है और इसे स्थिर बनाये रखने का प्रयास किया जाता है।

सेमी बोम्बला

किसी देश के अर्थशास्त्रियों द्वारा तैयार किया प्रपत्र जिसके द्वारा काला धन, मुद्रा प्रसार, कीमत वृद्धि आदि को समस्याओं के सम्बंधन हेतु सुझाव दिया जाता है, को सेमी बोम्बला (Semi Bomba) कहा जाता है।

प्रशासित मूल्य

जब किसी वस्तु का मूल्य बाजार की स्वतंत्र शक्तियों द्वारा निर्धारित न होकर केंद्रीय सत्ता द्वारा निर्धारित होता है, तो वह प्रशासित मूल्य (Administered Price) होता है।

अनुसूचित व्यापारिक बैंक

भारतीय रिजर्व बैंक की द्वितीय अनुसूची में सम्मिलित बैंकों को अनुसूचित व्यापारिक बैंक (Scheduled Commercial Bank) की संज्ञा प्रदान की जाती है। भारतीय रिजर्व बैंक की द्वितीय अनुसूची में बैंकों को कुछ निर्धारित शर्तों को पूरा करने पर ही सम्मिलित किया जाता है।

साख संकुचन

साख संकुचन (Credit Squeeze) का अर्थ है कम मात्रा में ऋण वितरित करना। जब बैंकों द्वारा अधिक ऋण दे दिया जाता है तो बाजार में मुद्रा बढ़ जाती है। इससे वस्तुओं की मांग बढ़ जाती है, जिसके फलस्वरूप कीमतें बढ़ने लगती हैं और मुद्रास्फीति की

- किसी वस्तु के वास्तविक मूल्य के बजाय मौद्रिक मूल्य से प्रतिक्रिया करना क्या कहलाता है?

- मुद्रा भ्रम (Money Illusion)

- सन् 1157 में इटली में किस बैंक की स्थापना के साथ आधुनिक बैंकों का उद्गम माना जाता है?

- बैंक ऑफ वेनिस

- भारतीय रिजर्व बैंक देश में मुद्रा की आपूर्ति के चार वैकल्पिक मानों के आंकड़े नियमित रूप से प्रकाशित करता है। ये मान कौन-कौन से हैं?

- क्रमशः M_1 , M_2 , M_3 और M_4

- M_1 में जनता के पास मौजूद मुद्रा (Money in circulation), बैंकों के पास मांग जमा खातों में जमा राशियाँ, तथा रिजर्व बैंक के पास संग्रहित अन्य जमाएँ शामिल होती हैं। इसे किस प्रकार की मुद्रा से संबंधित किया जाता है?

- निकट मुद्रा

या आभासी मुद्रा- Near Money (सर्वाधिक तरल)

- M_1 तथा M_2 मुद्रा की आपूर्ति के संकुचित मान हैं। M_3 और M_4 में से सर्वाधिक विस्तृत या व्यापक मान अर्थात् सबसे अधिक प्रयुक्त होने वाला मान (Broad Money) कौन-सा है?

- M_4

- मुद्रा के स्टॉक के उक्त चार मानों में से न्यूनतम तरलता (शीघ्र नकदी में परिवर्तित कर पाने की क्षमता) किसको है?

- M_1

- कई देशों में M_2 को मुद्रा स्टॉक के एक मान के रूप में माना जाता है। इसको किस अन्य नाम से भी जाना जाता है?

- रिजर्व मनी

- नोट निर्गमन की किस पद्धति के तहत देश में जितनी पत्र-मुद्रा का निर्गमन किया जाता है उसके एक निश्चित अनुपात में धातु कोष रखा जाता है?

- अनुपातिक कोष पद्धति

- भारत में किस आयोग के सुझाव पर सन् 1935 से 1956 तक इस विधि को अपनाया गया?

- हिल्टन यंग आयोग

- अक्टूबर 1956 के बाद से भारत में नोट निर्गमन की कौन-सी पद्धति अपनाई जा रही है?

- न्यूनतम कोष पद्धति

- न्यूनतम कोष पद्धति के तहत भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नोट निर्गमन के लिए 200 करोड़ रुपये की धातु कोष तथा विदेशी विनिमय कोष की न्यूनतम मात्रा रखनी पड़ती है। इसमें से सोना कितना रखा जाता है?

- 115 करोड़ रुपये

- भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाली सिक्यूरिटी प्रिंटिंग एंड मॉनिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (SPMCIL) नोटों की छपाई करती है। यह अपने किन प्रेसों में यह कार्य सम्पन्न करती है?

- नासिक (महाराष्ट्र) और देवास (मध्य प्रदेश)

- भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रण प्रा. लि. (BRBNMPL) ने भी प्रेस स्थापित किया है। इसके प्रेस कहां स्थित हैं?

- मैसूर (कर्नाटक) और सालबोनी (प. बंगाल)

- एसपीएमसीआईएल की चार सरकारी टकसालें हैं, जहां घरेलू आवश्यकता के लिए सिकके ढालने, सोने व चांदी की परख करने और तमगों के उत्पादन का कार्य किया जाता है। ये टकसालें कहां- कहां स्थित हैं?

- मुम्बई, कोलकाता, हैदराबाद तथा नोएडा

- भारत में अधिक मूल्य के नोट तथा नॉन-जुडीशियल स्टाम्प पेपर छापने का कागज कहां तैयार होता है?

- सिक्यूरिटी पेपर मिल, होशंगाबाद (मध्य प्रदेश)

- भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित 22 भाषाओं में से कितनी भाषाओं में मुद्रा का मान लिखा होता है?

- कुल 17

(हिन्दी, अंग्रेजी, असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, तमिल, तेलुगु और उर्दू)

मुद्रा की आपूर्ति के मान

$$M_1 = C + DD + OD$$

$$M_2 = M_1 + \text{डाकघर बचत बैंक में जमा राशियाँ}$$

$$M_3 = M_1 + \text{बैंकों के पास जमा निवल सावधि जमाएँ}$$

$$M_4 = M_3 + \text{डाकघर बचत संगठनों के पास जमा समस्त जमाएँ (राष्ट्रीय बचत पत्रों को छोड़कर)}$$

C : जनता द्वारा धारित करेंसी। इसमें सिकके तथा नोट, दोनों सम्मिलित हैं।

DD : बैंकों के पास मांग जमा खातों में जमा राशियाँ

OD : रिजर्व बैंक के पास संग्रहित अन्य जमाएँ

स्थिति उत्पन्न होने लगती है। इसे रोकने के लिए केंद्रीय बैंक द्वारा साख संकुचन का विधि अपनायी जाती है।

अल्प बचत के उदाहरण

- पोस्ट ऑफिस बचत खाता (Post Office Saving Account)
- पोस्ट ऑफिस सावधि जमा (Post Office term Deposit)
- पोस्ट ऑफिस आवर्ति जमा (Post Office Recurring Deposit)
- राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्र (NSC)
- ईंदिरा विकास पत्र
- राष्ट्रीय बचत योजना (NSS)
- किसान विकास पत्र
- पोस्ट ऑफिस माहवार आय जमा योजना (Post Office Monthly Income Deposit Scheme)

वास्तविक आय

मुद्रा आय की क्रय शक्ति को वास्तविक आय (Real income) कहा जाता है। वास्तविक वस्तुओं और सेवाओं की मात्रा, जिसे मुद्रा आय के द्वारा क्रय किया जा सकता है।

मुद्रा, बैंकिंग और पूंजी बाजार

भारत में बैंकिंग विकास का चरणबद्ध इतिहास			
चरण	बैंक	स्थापना वर्ष	विशेष
प्रथम चरण (1806 तक)	बैंक ऑफ हिंदुस्तान	1770	कोलकाता में अलेक्जेंडर कम्पनी द्वारा
द्वितीय चरण (1806-1860)	बैंक ऑफ बंगाल	1806	1860 तक इन तीनों बैंकों को नोट निर्गमन का भी अधिकार था।
	बैंक ऑफ बॉम्बे	1840	
	बैंक ऑफ मद्रास	1843	
तृतीय चरण (1860-1913)	इलाहाबाद बैंक	1865	1860 में संयुक्त पूंजी कम्पनी अधिनियम पारित किया गया।
	एलाइंस बैंक ऑफ शिमला	1881	
	अवध कॉमर्शियल बैंक	1881	अवध कॉमर्शियल बैंक सीमित देयता के आधार पर भारतीयों द्वारा स्थापित किया जाने वाला पहला बैंक था।
	पंजाब नेशनल बैंक	1894	
	बैंक ऑफ इंडिया	1906	पंजाब नेशनल बैंक पहला बैंक है, जिसकी शत-प्रतिशत पूंजी भारतीयों द्वारा लगायी गई थी।
	बैंक ऑफ बड़ौदा	1908	
	सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	1911	
	बैंक ऑफ मैसूर	1913	
चतुर्थ चरण (1913-1939)	इम्पीरियल बैंक	1921	तीनों प्रेसीडेंसी बैंकों को मिलाकर इम्पीरियल बैंक का गठन किया गया।
	भारतीय रिजर्व बैंक	1935	1934 में भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम पारित किया गया।
पांचवा चरण (1939-1947)	यूनाइटेड कॉमर्शियल बैंक	1943	इस चरण में पुराने बैंकों की नई शाखाएं खोली गईं। इस चरण की सबसे प्रमुख विशेषता यह रही है कि बैंकों ने सरकारी प्रतिभूतियों में पहले की अपेक्षा अधिक धन लगाना शुरू किया।
	हिंदुस्तान कॉमर्शियल बैंक	1943	
षष्ठम चरण (1947-1991)	आरबीआई का राष्ट्रीयकरण	1 जन., 1949	आरबीआई का राष्ट्रीयकरण करके उसे केंद्र सरकार का एक स्वायत्त वित्त निगम बना दिया गया। इसे मौद्रिक क्षेत्र की शीर्ष नियामक संस्था का दर्जा दिया गया।
	भारतीय स्टेट बैंक	1955	इम्पीरियल बैंक का राष्ट्रीयकरण करके भारतीय स्टेट बैंक की स्थापना की गई।
	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	1964	औद्योगिक वित्तीय क्षेत्र की सर्वोच्च संस्था 1969 में 14 वाणिज्यिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण, 1980 में 6 वाणिज्यिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण।
सप्तम चरण (1991 से)	एचडीएफसी, आईसीआई-सीआई बैंक, एक्सिस बैंक		1993-94 में निजी क्षेत्र में पुनः बैंक खेलने की अनुमति दी गई।

- भारत में वर्तमान में एक, दो, पांच और दस रुपये के सिक्के प्रचलन में हैं। 1, 2, 5, 10, 20 और 25 पैसे के सिक्कों को कब से चलन से वापस ले लिया गया और तब से ये वैधानिक मुद्रा नहीं हैं? - 30 जून, 2011 से
- भारत में वर्तमान में 10, 20, 50, 100, 200, 500 और 2000 रुपये के बैंक नोट (पत्र मुद्रा) जारी किए जा रहे हैं। इनको बैंक नोट इसलिए कहा जाता है, क्योंकि इनकी छपाई भारतीय रिजर्व बैंक करती है। किन दो नोटों को अब छापना बंद कर दिया गया है, क्योंकि इनके सिक्के जारी किए जाते हैं? - 2 और 5 रुपये
- भारत में एक रुपये के नोटों और सिक्कों का निर्गमन कौन करता है? - वित्त मंत्रालय

नैरो बैंकिंग

नैरो बैंकिंग ऐसी बैंकिंग प्रणाली है, जो तरलता और सुरक्षित सरकारी बॉन्ड को रखने से प्रतिबंधित करती है। इसके तहत जमा लेने और भुगतान गतिविधियों को वित्तीय मध्यस्थता गतिविधियों से अलग किया जाता है। नैरो बैंक को सुरक्षित बैंक भी कहा जाता है। नैरो बैंकिंग के अंतर्गत बैंक अपने कोषों

- एक रुपये से अधिक के नोटों पर भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर का हस्ताक्षर होता है। एक रुपये के नोटों पर कौन हस्ताक्षर करता है? - **विन सचिव, भारत सरकार**
- भारत सरकार ने 8 नवंबर, 2016 को महात्मा गांधी शृंखला के 500 और 1000 रुपये के नोटों विमुद्रित कर दिया। इनके स्थान पर किन दो मूल्य वर्ग के नए नोट छापे गए और उनको चलन में लाया गया? - **500 और 2000 रुपये**
- भारतीय रिजर्व बैंक ने किस सर्वाधिक मूल्य वर्ग के नोट 1938 और 1954 में छापे और क्रमशः 1946 और 1978 में विमुद्रित कर दिया? - **10,000 रुपये**
- किस बैंक की स्थापना 1609 में हुई, जिसे 17वीं शताब्दी का महान बैंक माना जाता है, जिसके बाद से आधुनिक बैंकिंग का वास्तविक विकास शुरू होता है? - **बैंक ऑफ एम्सटरडम, हॉलैंड**
- 1694 में स्थापित किस बैंक को आधुनिक बैंकिंग व्यवस्था की सबसे प्राचीन इकाई माना जाता है? - **बैंक ऑफ इंग्लैंड**
- भारत में पहला बैंक 1770 में कोलकाता में अलेक्जेंडर कम्पनी द्वारा यूरोपीय बैंकिंग प्रणाली के आधार पर स्थापित किया गया, लेकिन शीघ्र ही वह विफल हो गया। उस बैंक का क्या नाम था? - **बैंक ऑफ हिंदुस्तान**
- देश में निजी अंशधारियों द्वारा तीन प्रेसीडेंसी बैंकों की स्थापना की गई जो थे-1806 में बैंक ऑफ बंगाल, 1840 में बैंक ऑफ बॉम्बे तथा 1843 में बैंक ऑफ मद्रास। इनमें सरकार का भी शेयर था। इन तीनों प्रेसीडेंसी बैंकों को 1921 में मिलाकर किस बैंक की स्थापना की गई? - **इम्पीरियल बैंक ऑफ इंडिया**
- भारतीयों द्वारा सीमित देयता के आधार पर 1881 में स्थापित होने वाले पहले बैंक का क्या नाम है? - **अवध कॉमर्शियल बैंक (पहली शाखा फैजाबाद)**
- पंजाब नेशनल बैंक पूर्णरूपेण भारतीयों द्वारा स्थापित पहला बैंक था अर्थात् इसकी शत-प्रतिशत अंश पूंजी भारतीय थी। इस बैंक की स्थापना वर्ष 1894 में की गई। पंजाब नेशनल बैंक की स्थापना के समय मुख्यालय कहां स्थित था? - **अनारकली बाजार, लाहौर**
- अमेरिका का केंद्रीय बैंक 'फेडरल बैंक', युनाइटेड किंगडम का 'बैंक ऑफ इंग्लैंड', पाकिस्तान का 'स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान' तथा चीन का केंद्रीय बैंक 'द पीपुल्स बैंक ऑफ चीन' है। भारत का केंद्रीय बैंक कौन-सा है? - **भारतीय रिजर्व बैंक**
- भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अंतर्गत भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना की गई। भारत के इस केंद्रीय बैंक ने कब से कार्य करना प्रारंभ किया? - **1 अप्रैल, 1935 से**
- भारत में केंद्रीय बैंक के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना हिल्टन यंग आयोग की अनुशंसा पर की गई। सरकार द्वारा इसका राष्ट्रीयकरण कब किया गया? - **1 जनवरी, 1949 को**
- भारतीय बैंकिंग अधिनियम के तहत अनुसूचित बैंकों का निरीक्षण करने हेतु भारतीय रिजर्व बैंक को व्यापक अधिकार प्रदान किए गए। यह अधिनियम कब पारित किया गया? - **मार्च 1949 में**
- अप्रैल 1937 में बर्मा के भारत से अलग हो जाने के बाद भी 5 जून, 1942 तक भारतीय रिजर्व बैंक ने बर्मा के मुद्रा अधिकारी के रूप में कार्य किया। इसने कब तक बर्मा सरकार के बैंकर के रूप में कार्य किया? - **31 मार्च, 1947 तक**
- अगस्त 1947 में देश के विभाजन के बाद भारतीय रिजर्व बैंक ने पाकिस्तान के लिए भी केंद्रीय बैंक के रूप में कार्य किया। उसने यह कार्य कब तक किया? - **30 जून, 1948 तक**

को जोखिम मुक्त परिसम्पत्तियों के तहत रखता है तथा इसमें परिसम्पत्ति मिसमैच का कोई संभावना नहीं होती।

शाखा बैंकिंग

शाखा बैंकिंग (Branch Banking) प्रणाली के अंतर्गत किसी बैंक के एक प्रधान कार्यालय के अतिरिक्त उसकी अनेक शाखाएं सम्पूर्ण देश में फैली होती हैं। कभी-कभी कुछ शाखाएं देश के बाहर भी स्थापित की जाती हैं।

कुछ प्रमुख देशों के केंद्रीय बैंक

केंद्रीय बैंक	स्थापना वर्ष
बैंक ऑफ इंग्लैंड	1694
फेडरल रिजर्व बैंक (यूएसए)	1913
पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना	1948
बैंक ऑफ फ्रांस	1800
फेडरल बैंक ऑफ जर्मनी	1957
रिजर्व बैंक ऑफ न्यूजीलैंड	1934
स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान	1948
स्विस नेशनल बैंक (स्विट्जरलैंड)	1907
साउथ अफ्रीकन रिजर्व बैंक	1921
बैंक ऑफ जापान	1882

अग्रणी बैंक योजना

भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार लाने हेतु 1969 में अग्रणी बैंक योजना (Lead Bank Scheme) का शुभारम्भ किया गया। अग्रणी बैंक योजना के अंतर्गत प्रत्येक जिले के लिए एक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक को अग्रणी बैंक घोषित कर दिया गया है। अग्रणी बैंक जिला स्तर पर ऋणों की योजना बनाने, विशिष्ट एवं निश्चित कार्यक्रमों में अन्य बैंकों का सहयोग लेने तथा निश्चित कार्यक्रमों में ऋण संग्रहण में सभी वित्तीय संस्थाओं में समन्वय कायम करने का कार्य करता है। अग्रणी बैंक योजना के तहत देश के विभिन्न जिलों की जिम्मेदारी भारतीय स्टेट बैंक और उसके सहायक बैंकों, 14 राष्ट्रीयकृत बैंकों और 3 निजी स्वामित्व वाले भारतीय बैंकों को सौंपी गई है। यह योजना मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली,

मुद्रा, बैंकिंग और पूंजी बाजार

- बैंक नोट जारी करने और उसकी नियमित देखभाल करने, भारत में मुद्रा स्थिरता के प्रवास करने तथा सामान्यतः मुद्रा तथा ऋण प्रणाली को देश के हित में प्रयोग करने की शक्ति किस बैंक को प्राप्त है? - **भारतीय रिजर्व बैंक**
- भारतीय रिजर्व बैंक का सामान्य प्रबंधन नीति एवं संचालन का कार्य एक 20 सदस्यीय केंद्रीय निदेशक मंडल द्वारा किया जाता है, जिसमें एक गवर्नर तथा 4 डिप्टी गवर्नर होते हैं। गवर्नर तथा डिप्टी गवर्नर कार्यवाही कितनी होती है? - **5 वर्ष**
- भारतीय रिजर्व बैंक का मुख्यालय मुंबई में स्थित है। उसके चार स्थानीय प्रधान कार्यालय कहां स्थित हैं? - **नई दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई**
- जहां पर भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय नहीं हैं, वहां पर रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि के रूप में कौन कार्य करता है? - **भारतीय स्टेट बैंक**
- कौन-सा बैंक केंद्र तथा राज्य सरकारों के बैंकर, एजेंट तथा आर्थिक एवं वित्तीय मामलों पर परामर्शदाता के रूप में कार्य करता है? - **भारतीय रिजर्व बैंक**
- भारतीय रिजर्व बैंक विदेशी विनिमय का नियंत्रण करता है तथा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के सभी सदस्य देशों की मुद्राओं को क्रय-विक्रय करता है। इसीलिए इसको देश के विदेशी विनिमय भंडार का क्या कहा जाता है? - **परिरक्षक (Custodian)**
- विदेशी विनिमय नियमन अधिनियम, 1947 (फेरा 1947) का स्थान 1973 में संशोधित फेरा ने ले लिया। अब फेरा का स्थान किस अधिनियम ने ले लिया है? - **विदेशी विनिमय प्रबंध अधिनियम (FEMA), 1999**
- देश में काले धन पर अंकुश लगाने के लिए मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम, 2002 (Prevention of Money Laundering Act 2002) प्रभाव में कब आया? - **1 जुलाई, 2005**
- कृषि वित्त संबंधी कार्य के लिए 12 जुलाई, 1982 को किस बैंक की स्थापना की गई? - **राष्ट्रीय कृषि व ग्रामीण विकास बैंक (नाबाई)**
- वार्षिक 'करेंसी एंड फाइनेंस रिपोर्ट' तथा समय-समय पर 'भौतिक एवं साख नीति' कौन जारी करता है? - **भारतीय रिजर्व बैंक**
- भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों के जमाकर्ताओं को सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से 1962 में किस निगम की स्थापना की? - **जमा बीमा निगम**

चंडीगढ़ और गाँवा को छोड़कर पूरे भारत में लागू की गई।

बैंक दर

केंद्रीय बैंक व्यापारिक बैंकों की प्रथम श्रेणी के बिलों की पुनर्कटौती जिस दर पर करता है अथवा स्वीकार्य प्रतिभूतियों पर ऋण देता है, को बैंक दर (Bank Rate) की संज्ञा प्रदान की गई है। बैंक दर में परिवर्तन होने पर सम्पूर्ण साख प्रभावित होता है। यह विशेष प्रकार की ब्याज दर होती है।

प्रधान ऋण (उधार) दर

जब एक बैंक से दूसरे बैंकों द्वारा अग्रिम के रूप में धन लिया जाता है तो पहली बैंक को प्रदत्त ब्याज की दर प्रधान ऋण दर (PLR: Prime Lending Rate) कहलाती है। प्रधान ऋण दर अलग-अलग बैंकों की अलग-अलग होती है।

नकद आरक्षण अनुपात

सभी व्यापारिक बैंकों अथवा गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थाओं को अपनी कुल जमा का एक निश्चित प्रतिशत भारतीय रिजर्व बैंक के पास नकद रूप में जमा करना होता है, उसे ही नकद आरक्षण अनुपात (CRR: Cash Reserve Ratio) कहा जाता है। सौअरआर कम से कम 3 प्रतिशत तथा अधिक से अधिक 15 प्रतिशत हो सकती है।

कुछ अन्य बैंक व वित्तीय संस्थाएं

बैंक का नाम	स्थापना वर्ष	स्थिति/उद्देश्य/प्रमुख कार्य
भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (IFCI)	1948	---
भारतीय औद्योगिक ऋण व विनियोग निगम (ICICI)	जनवरी 1955	औद्योगिक इकाइयों को प्रोत्साहन देना एवं सहायता करना।
भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (IDBI)	जुलाई 1964	दीर्घकालीन औद्योगिक वित्त प्रदान करना।
भारतीय यूनिट ट्रस्ट (UTI)	1964	---
राष्ट्रीय कृषि व ग्रामीण विकास बैंक (NABARD)	जुलाई 1982	ग्रामीण साख प्रदान करने वाला शीर्ष बैंक।
भारतीय निर्यात-आयात बैंक (EXIM BANK)	जनवरी 1982	विदेश व्यापार से सम्बद्ध कम्पनियों को वित्त व सुविधाएं प्रदान करना।
भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक (IRBI)	मार्च 1985	बीमार औद्योगिक इकाइयों के पुनरुद्धार के लिए वित्त प्रदान करना, गंदी बस्तियों का पुनर्विकास आदि।
राष्ट्रीय आवास बैंक (NHB)	1988	---
भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI)	अप्रैल 1990	लघु क्षेत्र के उद्योगों का विकास व समर्थन।

- बचतों को प्रोत्साहन देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने किस वर्ष 'यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया' की स्थापना की? - वर्ष 1964 में
- अल्पकालीन साख की व्यवस्था के लिए सहकारी समितियों के विकास के अतिरिक्त दीर्घकालीन कृषि वित्त की व्यवस्था के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने 1963 में किस वित्तीय संस्था की स्थापना की? - कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम (ARDC)
- कृषि पुनर्वित्त एवं विकास निगम (ARDC) को 12 जुलाई, 1982 को किस बैंक में विलय कर दिया गया? - नाबाई
- भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (IDBI) की स्थापना रिजर्व बैंक की सहायक संस्था के रूप में 1 जुलाई, 1964 को हुई थी। इसे किस वर्ष एक स्वायत्त संस्था बना दिया गया? - वर्ष 1976 में
- भारतीय औद्योगिक विकास बैंक किस वर्ष एक विकासवात्मक वित्तीय संस्थान से एक बैंक के रूप में परिवर्तित हुआ? - वर्ष 2004 में
- 3 अक्टूबर, 2006 को आईडीबीआई में किस निजी बैंक का विलय हो गया? - युनाइटेड वेस्टर्न बैंक लि.
- केंद्रीय बैंकों के बैंक के रूप में प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय सैटलमेंट बैंक (BIS: Bank For International Settlements) की स्थापना 17 मई, 1930 को 10 केंद्रीय बैंकों द्वारा की गई थी। वर्तमान में इसके सदस्य केंद्रीय बैंकों की संख्या कितनी है? - 60
- वर्ष 1996 में पहली बार इसकी सदस्यता का विस्तार किया गया। भारतीय रिजर्व बैंक को इसकी सदस्यता कब प्रदान की गई? - 9 सितंबर, 1996 को
- अंतर्राष्ट्रीय सैटलमेंट बैंक के प्रतिनिधि कार्यालय हांगकांग और मेक्सिको सिटी में स्थित हैं। इसका मुख्यालय कहां स्थित है? - बासले, स्विट्जरलैंड
- भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा व्यापार तथा उद्योग पर साख मुद्रा निरोधक नीति के पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों को रोकने तथा याणिन्यिक एवं उद्योग की वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु 16 जनवरी, 1952 को सर्वप्रथम किस योजना की शुरुआत की? - बिल बाजार योजना अथवा नई हुंडी बाजार योजना
- नई हुंडी बाजार योजना का उद्देश्य बैंकों को कितने दिन के लिए जारी विनिमय पत्रों (हुंडियों) तथा प्रतिज्ञा पत्रों (Promissory Notes) के विरुद्ध वित्त के प्रबंध के लिए प्रोत्साहित करना था? - 90 दिन
- छोटे लेनदारों के लिए बैंकों के ऋण की उपलब्धि को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक ने 1971 में किस संस्था की स्थापना की? - भारतीय ऋण गारंटी निगम
- वर्ष 1978 में भारतीय ऋण गारंटी निगम का नाम बदलकर क्या रखा गया? - जमा राशि बीमा एवं ऋण गारंटी निगम (DICGC)
- बड़े लेनदारों के ऋण प्रस्तावों को स्वीकृत करने के बाद उसे जांच के लिए आरबीआई के पास प्रस्तुत किया जाने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अक्टूबर 1988 में ऋण प्राधिकरण योजना (CAS: Credit Authorisation Scheme) के स्थान पर किस व्यवस्था को प्रचलन में लाया गया? - ऋण मौद्रिक व्यवस्था (CMA: Credit Monetary Arrangement)
- देश में, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, बैंकिंग सुविधाओं के विकास के लिए इम्पीरियल बैंक ऑफ इंडिया का 1 जुलाई, 1955 को राष्ट्रीयकरण किया गया। इसका नाम बदलकर क्या रखा गया? - भारतीय स्टेट बैंक

विदेशी मुद्रा (अनिवासी) खाता

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा (अनिवासी) खाता (Foreign Currency (Non Resident) Account) खोलने की अनुमति विभिन्न बैंकों को 1 नवंबर, 1995 को प्रदान की गई। विदेशी मुद्रा (अनिवासी) खाते कुछ बचनित परिवर्तनशील मुद्राओं में ही खोले जा सकते हैं। नकद जमाओं के अतिरिक्त विदेशों में प्रवासरत भारतीय ड्राफ्ट, मेल, ट्रांसफर, टेलीग्राफिक ट्रांसफर या चेक के द्वारा धनराशि भेज सकते हैं। जिस स्वीकृत मुद्रा में खाता रखा जाता है, व्याज भी उसी मुद्रा में अदा किया जाता है। व्याज पर आयकर नहीं लगता है।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) उस कंपनी को कहते हैं, जो कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत पंजीकृत हो, तथा जिसका मुख्य कारोबार उधार देना, विभिन्न प्रकार के शेयरों/स्टॉक/ बॉन्ड्स/ डिबेंचरों/प्रतिभूतियों, पट्टा कारोबार, किराया-खरीद, बीमा कारोबार, चिट संबंधी कारोबार में निवेश करना, तथा किसी योजना अथवा व्यवस्था के अंतर्गत एकमुश्त रूप से अथवा किस्तों में जमा राशियां प्राप्त करना है। किंतु, किसी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी में ऐसी कोई संस्था शामिल नहीं है, जिसका मुख्य कारोबार कृषि, औद्योगिक, व्यापार संबंधी गतिविधियां हैं अथवा अचल संपत्ति का क्रय/ विक्रय/निर्माण करना है।

अवशिष्ट गैर-बैंकिंग कंपनी

अवशिष्ट गैर-बैंकिंग कंपनी (आरएनबीसी) एनबीएफसी की एक श्रेणी है जिसका प्रमुख व्यवसाय किसी भी योजना, व्यवस्था या किसी अन्य तरीके से जमा राशियां प्राप्त करना है। ये कंपनियां निवेश, आस्त विनियोजन या ऋण देने का कार्य नहीं करतीं। जमा राशियों के संग्रहण की पद्धति और जमाकर्ताओं की निधियों के विनियोजन के मामले में इन कंपनियों की कार्य प्रणाली एनबीएफसी से भिन्न है। इन कंपनियों को, हालांकि रिजर्व बैंक द्वारा अब निर्देश

मुद्रा, बैंकिंग और पूंजी बाजार

- देश में बैंकों को और अधिक समाज कल्याणकारी भूमिका निभाने के उद्देश्य से 19 जुलाई, 1969 को 14 बड़े वाणिज्यिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया। इसके अगले चरण में 6 बैंकों का राष्ट्रीयकरण कब किया गया? - 15 अप्रैल, 1980
- भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा वित्त सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किस वर्ष क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना की गई? - वर्ष 1975
- निजी क्षेत्र से पूंजी उगाहने वाला पहला राष्ट्रीयकृत बैंक कौन-सा है? - ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स
- वाणिज्यिक बैंक (Commerical Banks) सामान्यतः किस अवधि के लिए औद्योगिक एवं व्यापारिक वित्त की व्यवस्था करके व्यापार एवं उद्योगों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं? - अल्पकालीन एवं मध्यमकालीन
- इकाई बैंकिंग प्रणाली से तात्पर्य उस प्रणाली से है, जिसमें प्रत्येक बैंक का केवल एक ही कार्यालय होता है तथा वह सभी तरह के लेन-देन इसी कार्यालय द्वारा करता है। इस प्रकार की बैंकिंग की शुरुआत 1902 में सर्वप्रथम कहां हुई? - संयुक्त राज्य अमेरिका
- भारत में किस अधिनियम के तहत पंजीकृत बैंकों को वाणिज्यिक बैंक की संज्ञा दी गई है? - भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1956
- अनुसूचित बैंकों (Scheduled Banks) को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934 की किस अनुसूची में सम्मिलित किया गया है? - दूसरी अनुसूची में
- भारत में अनुसूचित बैंकों के तहत भारतीय स्टेट बैंक और उसके सम्बद्ध बैंक, राष्ट्रीयकृत बैंक, विदेशी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और अन्य अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक शामिल होते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के अन्य अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक कौन-कौन से हैं? - आईडीबीआई और भारतीय महिला बैंक
- भारत में सार्वजनिक क्षेत्र का पहला बैंक भारतीय स्टेट बैंक है जो 1 जुलाई, 1955 को इम्पीरियल बैंक के राष्ट्रीयकरण के फलस्वरूप अस्तित्व में आया। इसके सात सहयोगी बैंकों का राष्ट्रीयकरण किस वर्ष किया गया? - वर्ष 1959
- भारतीय स्टेट बैंक का प्रधान कार्यालय मुम्बई में स्थित है। इसके स्थानीय प्रमुख कार्यालय कहां-कहां स्थित हैं? - कोलकाता, मुम्बई, चेन्नई, नई दिल्ली, हैदराबाद, भोपाल तथा पटना
- ऐसे स्थानों पर जहां भारतीय रिजर्व बैंक का कार्यालय नहीं है, वहां कौन-सा बैंक उसके अधिकर्ता के रूप में कार्य करता है तथा भारत सरकार की ओर से रुपया, स्वर्ण तथा प्रतिभूतियां देना-लेना तथा अन्य भुगतान करता है? - भारतीय स्टेट बैंक
- कोटक महिंद्रा बैंक और आईएनजी वैश्य बैंक के विलय को आरबीआई ने 1 अप्रैल, 2015 को मंजूरी दी। इस विलय के बाद कोटक महिंद्रा निजी क्षेत्र का चौथा सबसे बड़ा बैंक बन जायेगा। भारत के तीन सबसे बड़े निजी बैंक कौन-कौन से हैं? - क्रमशः एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक
- निजी क्षेत्र के बैंकों का स्वामित्व निजी शेयर होल्डरों के पास होता है, लेकिन इनका नियमन किस आधार पर होता है? - सरकार द्वारा बनाये गए अधिनियम के आधार पर
- भारत में बैंकों के राष्ट्रीयकरण के बाद वर्ष 1993 में केंद्र सरकार ने किस समिति की रिपोर्ट के आधार पर निजी क्षेत्र में बैंक स्थापित करने की अनुमति प्रदान की? - नरसिम्हन समिति (1991)

दिया गया है कि कोई जमा राशि स्वीकार न करें और आरएनबीसी के रूप में अपना व्यवसाय बंद कर दें।

बचत बैंक खाता

बचत बैंक खाता (Saving Bank Account) उन व्यक्तियों के लिए है जो अपनी भावी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपनी वर्तमान आय का कुछ भाग बचाकर बैंक में रखना चाहते हैं। इस खाते में जमा राशि पर कुछ ब्याज भी देय होता है। बचतकर्ता को ब्याज प्रत्येक कैलेंडर माह के 10वें दिन के अंत से लेकर उस माह की अंतिम तारीख तक की अवधि में जो भी न्यूनतम जमा शेष रहती है, के आधार पर ब्याज दिया जाता है।

आवर्ती जमा

आवर्ती जमा (Recurring Deposit) खाता खोलने वाले व्यक्ति को एक निश्चित राशि एक नियत अवधि तक प्रति माह बैंक/ डाकघर में अपने खाते में जमा करनी होती है। यह एक प्रकार का सावधि खाता है। अतः इस खाते पर दिए जाने वाले ब्याज की दर बचत जमा खातों की तुलना में अधिक होती है।

चालू खाता

चालू खाता (Current Account) एक प्रकार का मांग जमा खाता है, जिसमें से किसी भी कार्य दिवस में अनेक बार धनराशि को निकाला जा सकता है। इन खातों में जमा राशियों पर कोई ब्याज देय नहीं होता है। बल्कि बैंक लेन-देन की संख्या के आधार पर कुछ सेवा शुल्क खाताधारी से वसूल करता है।

सावधि जमा

किसी निश्चित अवधि के लिए बैंकों में जमा राशि सावधि जमा (Term Deposit) होती है। यह जमा राशि विनिर्दिष्ट अवधि सम्पन्न होने पर ब्याज सहित देय होती है। बैंकों द्वारा सावधि जमाओं पर अधिक ब्याज दिया जाता है।

निरण NCERT अर्थव्यवस्था सार संग्रह (By : Khan Sir, Patna)

- क्षेत्रीय संसाधनों का विरोधन करके क्षेत्र विशेष की साख संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सरकार ने निजी क्षेत्र में स्थानीय क्षेत्र बैंक (Local Area Banks) स्थापित करने की अनुमति दी है। ऐसे बैंकों की न्यूनतम चुकता पूंजी (Paid-up Capital) कितनी होगी?
- 5 करोड़ रुपये
- केवल अनिवासी भारतीय (NRI) तथा समुद्रपारीय निकायों (OCBs: Overseas Corporate Bodies) द्वारा निवेश आमंत्रित करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक द्वारा 5 अगस्त, 1998 से 20 अगस्त, 1998 की अवधि के लिए कौन-सा बॉन्ड जारी किया गया था?
- रिसर्जेंट इंडिया बॉन्ड
- केंद्रीय बजट 2000-01 में किए प्रस्तावों के अनुरूप 21 अक्टूबर, 2000 को किस बैंक द्वारा अनिवासी भारतीयों तथा समुद्र पारीय निकायों के लिए इंडिया मिलेनियम डिपॉजिट योजना शुरू की गई?
- भारतीय स्टेट बैंक
- अक्टूबर 1962 में डी.आर. गाडगिल की अध्यक्षता में गठित अध्ययन दल द्वारा प्रस्तावित क्षेत्रीय दृष्टिकोण के मद्देनजर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा कौन-सी योजना तैयार की?
- अग्रणी बैंक योजना (Lead Bank Scheme)

भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक

- भारतीय स्टेट बैंक में सहयोगी बैंकों का विलय: 1 अप्रैल, 2017 को भारतीय स्टेट बैंक में उसके 5 सहयोगी बैंकों तथा भारतीय महिला बैंक का विलय कर दिया गया।
- बैंक ऑफ बड़ौदा में देना बैंक और विजया बैंक का विलय: देना बैंक और विजया बैंक का बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय 1 अप्रैल, 2019 से प्रभाव में आया। इसके बाद देना बैंक और विजया बैंक की सभी शाखाएं बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखाओं के रूप में काम करने लगी हैं। अब इसके कुल घरेलू शाखाओं की संख्या 8248 और एटीएम की संख्या 10,318 हो गयी है।
- कोर सरकार ने 30 अगस्त, 2019 को 10 सरकारी या सार्वजनिक बैंकों का विलय कर 4 बड़े बैंक (पंजाब नेशनल बैंक, कोनरा बैंक, यूनियन बैंक और इंडियन बैंक) बनाने की घोषणा की।
- पंजाब नेशनल बैंक में ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स और यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया का विलय: यह विलय 1 अप्रैल, 2020 से प्रभावी हो गया है। 30 सितंबर, 2020 तक के आंकड़ों के अनुसार, पंजाब नेशनल बैंक देशभर में फैली 10,930 शाखाओं और 13,878 एटीएम मशीनों के साथ देश का दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक हो गया है तथा बैंक की सकल जमा में 7.05% और गैर-खाद्य ऋण में 6.52% की बाजार हिस्सेदारी हो गयी है। सितंबर 2020 के अंत में इसका वैश्विक व्यवसाय 17,86,670 करोड़ रुपये हो गया था, जबकि सितंबर 2019 में यह 17,68,001 करोड़ रुपये था।
- कोनरा बैंक में सिंडिकेट बैंक का विलय: यह विलय 1 अप्रैल, 2020 को प्रभाव में आया। इसके बाद कोनरा बैंक देश का तीसरा सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक बन गया है। सितंबर 2020 तक देशभर में इसका 10495 शाखाओं और लगभग 13023 एटीएम का नेटवर्क बन गया है। सितंबर 2020 तक इसका कुल घरेलू कारोबार 15.38 लाख करोड़ रुपये का हो गया था।
- यूनियन बैंक में आंध्र बैंक और कॉरपोरेशन बैंक का विलय: 1 अप्रैल, 2020 को आंध्र बैंक और कॉरपोरेशन बैंक का विलय यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में हो गया। इस तिथि को इसका सम्मिलित कारोबार 15,34,749 करोड़ रुपये था। वर्तमान में इसका 9500 से अधिक शाखाओं और 13300 से अधिक एटीएम का नेटवर्क है। यह देश का पांचवां सबसे बड़ा सरकारी बैंक हो गया है।
- इंडियन बैंक में इलाहाबाद बैंक का विलय: 1 अप्रैल, 2020 को इंडियन बैंक में इलाहाबाद बैंक का विलय प्रभावी हो गया। अब 3 ओवरसीज शाखाओं के साथ इसकी शाखाओं की कुल संख्या 5996 हो गयी है। इसका कुल कारोबार 8.68 लाख करोड़ रुपये का हो गया है। इस विलय के बाद यह देश का सातवां सबसे बड़ा सार्वजनिक बैंक हो गया है।
- देश में अब सरकारी या सार्वजनिक बैंकों की संख्या 12 रह गयी है। ये बैंक इस प्रकार हैं— 1. भारतीय स्टेट बैंक, 2. पंजाब नेशनल बैंक, 3. बैंक ऑफ बड़ौदा, 4. कोनरा बैंक, 5. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, 6. सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, 7. इंडियन बैंक, 8. बैंक ऑफ इंडिया, 9. बैंक ऑफ महाराष्ट्र, 10. इंडियन ओवरसीज बैंक, 11. पंजाब एंड सिंध बैंक, 12. यूको बैंक।

मांग जमा

मांग जमा (Demand Deposit) में उन समग्र जमा राशियों को सम्मिलित किया जाता है जो जमाकर्ता द्वारा अपनी इच्छानुसार चाहे जब वापस मांगी जा सकती है। मांग जमा व्यापारिक बैंकों में चालू और बचत दोनों खातों में जमा की जाती है।

ऋणशोधन निधि

नियमित रूप से धनराशि जमा करके तैयार किया गया ऐसा कोष जिससे किसी ऋण की परिपक्वता पर सरलता से भुगतान किया जा सके, उसे ऋण शोधन निधि (Sinking Fund) कहा जाता है।

नकद साख खाता

नकद साख खाता (Cash Credit Account) एक प्रकार का ऋण खाता है। इसमें बैंक खातेधारी को एक निश्चित मात्रा तक ऋण प्राप्त करने का अधिकार प्रदान करता है। इसी सीमा के अंदर ऋणी अपनी आवश्यकतानुसार बैंक से रुपया लेता है और जमा भी करता है। ब्याज उसी राशि पर वसूला जाता है, जो वस्तुतः ऋणी के पास रहता है।

अधिविकर्ष

बैंकों से जमाकर्ता द्वारा अपनी जमा रकम से अधिक धन निकालना अधिविकर्ष (Overdraft) कहलाता है।

आदिष्ट चेक

जब किसी धारक चेक में से धारक शब्द को काट दिया जाता है अथवा उस चेक पर ऑर्डर लिख दिया जाता है, तो वह चेक आदिष्ट (Order Cheque) बन जाता है। ध्यातव्य है कि आदिष्ट चेक का भुगतान करने वाले बैंक को भुगतान प्राप्तकर्ता व्यक्ति की पहचान करनी पड़ती है। भुगतान प्राप्तकर्ता को पहचान के बाद ही भुगतान किया जाता है।

मुद्रा, बैंकिंग और पूंजी बाजार

- कृषि और ग्रामीण ऋण राहत योजना कब शुरू की गई? - 1990 में
- नरसिम्हन समिति का गठन बैंकिंग सुधारों के लिए किया गया था, शेयर घोटाले से संबंधित विभिन्न पहलुओं को जांच हेतु कौन-सी समिति गठित की गई थी? - **जानकीरमन समिति**
- वर्मा समिति ने सार्वजनिक क्षेत्र के कमजोर बैंकों के पुनर्जीवन हेतु सुझाव दिया। देश की मौद्रिक व्यवस्था का पुनरावलोकन करने के लिए गठित समिति कौन-सी है? - **चक्रवर्ती समिति**
- बैंकिंग सुधार के लिए गठित दूसरी नरसिम्हन समिति ने अपनी रिपोर्ट 23 अप्रैल, 1998 को केंद्रीय वित्त मंत्री को सौंपी। दूसरी नरसिम्हन समिति ने कमजोर बैंकों की पुनर्स्थापना हेतु किस बैंकिंग की अवधारणा को अपनाये जाने की सिफारिश की? - **नैरो बैंकिंग**
- किस समिति ने गैर-निष्पादित परिसम्पत्तियों की समस्या के सर्वोत्तम समाधान के रूप में किस बैंकिंग की अवधारणा को अपनाने की सिफारिश की है? - **तारपोर समिति**
- 1990 में गठित किस समिति ने यह सिफारिश की कि बैंकों में ग्राहक को सेवा प्रदान न करना एक अपराध माना जाना चाहिए? - **गोडपेरिया समिति**
- कमजोर बैंकों की पुनर्संरचना हेतु सिफारिशें देने के लिए गठित एम.एस. वर्मा समिति ने 4 अक्टूबर, 1999 को प्रस्तुत अपनी सिफारिशों में गैर-निष्पादन परिसम्पत्तियों के मामले में किस फंड के गठन का सुझाव दिया है? - **एसेट रिकंस्ट्रक्शन फंड (ARF)**
- बैंकों के ग्राहकों की शिकायतों का निदान करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने कब से देश भर में बैंकिंग ओम्बुड्समैन स्कीम लागू कर दी है? - **14 जून, 1995 से**
- आरबीआई की अधिसूचना के अनुसार, सभी अनुसूचित प्राथमिक सहकारी बैंक तथा वाणिज्यिक बैंक ग्राहक प्रहरियों के दायरे में आवेंगे, किंतु किस बैंक को इसके दायरे से बाहर रखा गया है? - **क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक**
- कोई भी ग्राहक जिसकी सेवा संबंधी शिकायतों का निपटारा संतोषजनक तरीके से संबंधित बैंक शाखा तथा उसके शीर्ष प्रबंधन द्वारा 2 माह के भीतर नहीं किया जाता तो बैंकिंग लोकपाल के पास वह कितनी अवधि पर शिकायत कर सकता है? - **एक वर्ष के भीतर**
- सार्वजनिक बैंकों के निजीकरण की नीति के अंतर्गत सरकार ने इन बैंकों में सरकारी इक्विटी को 51 प्रतिशत के स्थान पर न्यूनतम 33 प्रतिशत करने को निर्णय लिया है। बैंकिंग कम्पनीज (एक्वेजिशन एंड ट्रांसफर ऑफ अंडरटेकिंग्स) एक्ट, 1970 एवं 1980 में यह संशोधन किस बैंक पर लागू नहीं होता? - **भारतीय स्टेट बैंक**
- बैंकों एवं अन्य वित्तीय संस्थाओं द्वारा प्रदान किए गए ऐसे ऋणों, जो वसूल नहीं हो पा रहे हैं, की वसूली में तेजी लाने के लिए सरकार ने 10 शहरों कोलकाता, दिल्ली, जयपुर, अहमदाबाद, बंगलुरु, चेन्नई, गुवाहाटी, जबलपुर, पटना और मुंबई में ऋण वसूली न्यायाधिकरण (Debt Recovery Tribunals) स्थापित किए हैं। ऐसा पहला न्यायाधिकरण 27 अप्रैल, 1994 को कहां स्थापित किया गया? - **कोलकाता**
- वैश्विक स्तर पर बैंक ऑफ इंटरनेशनल सेंट्रलमेंट द्वारा गठित बास्ले समिति ने सन् 1988 में सर्वप्रथम कौन-सी अवधारणा प्रस्तुत की? - **पूंजी पर्याप्तता मानक**
- भारत में बास्ले समिति की सिफारिशों के अनुरूप समस्त बैंकों में पूंजी पर्याप्तता मानक किस वर्ष से लागू किया गया? - **वर्ष 1992-93 से**
- वैश्विक पूंजी पर्याप्तता नियम को क्या कहा जाता है, जो किसी बैंक को अपनी जोखिम भारित परिसम्पत्तियों के आकार के आधार पर न्यूनतम पूंजी की मात्रा अपने पास रखने की सलाह देते हैं? - **बासेल-I और बासेल-II**

समाशोधन गृह

समाशोधन गृह (Clearing House) वह स्थान है, जहां विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि प्रतिदिन एकत्रित होते हैं तथा आपस में चेकों का आदान-प्रदान तथा जमा व्यव करते हैं। इस प्रकार अल्प समय में हजारों चेकों का आदान-प्रदान किया जाता है। समाशोधन गृह उन्हीं शहरों में होता है, जहां 3-4 बैंक होते हैं। भारत में जिन शहरों में भारतीय रिजर्व बैंक की शाखा है, वहां समाशोधन गृह भारतीय रिजर्व बैंक में ही होता है। जहां भारतीय रिजर्व बैंक की शाखा नहीं है, वहां यह कार्य सामान्यतः भारतीय स्टेट बैंक में होता है।

लिवरेज अनुपात

आरबीआई द्वारा लिवरेज अनुपात को कुल पूंजी को कुल आस्तियों के अनुपात के रूप में परिभाषित किया गया है। उदाहरण के लिए, बैंक ऑफ इंटरनेशनल सेंट्रलमेंट द्वारा यथा परिभाषित परिभाषा एकदम इसके प्रतिफल में है। इस प्रयोजन के लिए इस खंड को हम अंतर्राष्ट्रीय परिभाषा के लिए उपयोग में लायेंगे। आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए) लाभ प्रदाता अनुपात है जो कुल आस्तियों से प्राप्त निवल लाभ (निवल आय) को दर्शाती है।

नरम/सुलभ ऋण

ऐसे ऋण, जिन पर ब्याज की दर काफी कम होती है तथा उसको काफी लम्बे समय बाद लौटाना होता है, नरम या सुलभ ऋण (Soft Loan) की संज्ञा प्रदान की जाती है।

क्रिप्टोकॉरेसी और बिटकवाइन

क्रिप्टोकॉरेसी को 'ई-मुद्रा' भी कह सकते हैं। यह नोटों की तरह नहीं होती है, केवल कम्प्यूटर पर ही दिखायी देती है, इसलिए इसे 'डिजिटल करेंसी', 'वर्चुअल करेंसी' कहते हैं। इसकी शुरुआत 2009 में हुई थी। इसके इस्तेमाल और भुगतान के लिए 'क्रिप्टोग्राफी' का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए इसे 'क्रिप्टोकॉरेसी' कहा जाता है। बिटकवाइन विश्व की पहली डिजिटल

- वैश्विक पूंजी पर्याप्तता नियम बासेल-II को किस वर्ष लागू किया गया?
- वर्ष 2006
- रिजर्व बैंक ने 7 मार्च, 2014 को वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) के अंतर्गत एक समिति गठित करने की घोषणा की। यह समिति किस पूंजी मानदंड लागू करने हेतु बैंकिंग क्षेत्र के लिए दिशा-निर्देश तय करेगी?
- बासेल-III
- उस पूंजी को क्या कहा जाता है, जो सर्वाधिक स्थायी तथा अनार्षित हानियों के विरुद्ध तत्काल उपलब्ध सहायता के रूप में होती है?
- टीयर-I पूंजी या मुख्य पूंजी
- पूंजी पर्याप्तता मानक निर्धारण के मामले में टीयर-II अथवा द्वितीय श्रेणी की पूंजी किसी भी दशा में किसी भी समय टीयर-I के कितने प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए?
- 100 प्रतिशत
- देश का पहला मोबाइल बैंक किस जिले में स्थापित किया गया, जिसके तहत एक वैन ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को विभिन्न बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध करती है?
- खरगोन जिला, मध्य प्रदेश
- 6 अक्टूबर, 2003 को एक करोड़ रुपये की लागत से शुरू किए गए इस वैन चालित मोबाइल बैंक का क्या नाम रखा गया है?
- लक्ष्मी बाहिनी बैंक
- 10 फरवरी, 2015 को 'पॉकेट' नाम से भारत का पहला डिजिटल बैंक मोबाइल पर किस बैंक ने लांच किया?
- आईसीआईसीआई बैंक

भारत के मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और उनकी मान्यता तिथि

मुम्बई स्टॉक एक्सचेंज लि. (1875 में स्थापित)	31 अगस्त, 1957
अहमदाबाद स्टॉक एक्सचेंज लि.	16 सितंबर, 1957
कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लि.	10 अक्टूबर, 1957
मद्रास स्टॉक एक्सचेंज लि.	15 अक्टूबर, 1957
दिल्ली स्टॉक एक्सचेंज लि.	9 दिसंबर, 1957
हैदराबाद स्टॉक एक्सचेंज लि.	29 जून, 1958
मध्य प्रदेश स्टॉक एक्सचेंज लि.	24 दिसंबर, 1958
बंगलौर स्टॉक एक्सचेंज लि.	16 फरवरी, 1963
कोचीन स्टॉक एक्सचेंज लि.	10 मई, 1979
उत्तर प्रदेश स्टॉक एक्सचेंज लि. (कानपुर)	3 जून, 1982
पुणे स्टॉक एक्सचेंज लि.	2 सितंबर, 1982
लुधियाना स्टॉक एक्सचेंज लि.	24 अप्रैल, 1983
गुवाहाटी स्टॉक एक्सचेंज लि.	1 मई, 1984
कनारा स्टॉक एक्सचेंज लि. (मंगलूर)	9 सितंबर, 1985
मराठा स्टॉक एक्सचेंज, पटना	9 सितंबर, 1985
जयपुर स्टॉक एक्सचेंज लि.	9 जनवरी, 1989
भुवनेश्वर स्टॉक एक्सचेंज लि.	5 जून, 1989
सौराष्ट्र कच्छ स्टॉक एक्सचेंज, (राजकोट)	10 जुलाई, 1989
बड़ौदा स्टॉक एक्सचेंज	5 जनवरी, 1990
ओटीसी एक्सचेंज ऑफ इंडिया, मुम्बई (1990 में स्थापित)	23 अगस्त, 1984
कोयंबटूर स्टॉक एक्सचेंज लि.	18 सितंबर, 1991

और वर्चुअल करेंसी है। सातोशी नाकामोतो को इस करेंसी का जनक माना जाता था, लेकिन ऑस्ट्रेलियन उद्यमी क्रिस्टोफर ने 1 मई, 2016 को इसका जनक होने का दावा किया। वर्ष 2009 में प्रचलन में आये बिटकवाइन को डिजिटल वॉलेट में रखा जाता है। इसको जमा करना 'माइनिंग' कहलाता है। क्रिप्टोकरेंसी को दुनिया के किसी भी कोने में आसानी से ट्रांसफर किया जा सकता है और किसी भी प्रकार की करेंसी में कनवर्ट किया जा सकता है, जैसे-डॉलर, यूरो और रुपया आदि।

विश्व के प्रमुख सूचकांक और संबंधित स्टॉक एक्सचेंज

डो जॉस, नैसडेक	न्यूयॉर्क
निस्की	टोकियो
मिड डेक्स	फ्रैंकफर्ट (जर्मनी)
हांग सेंग	हांगकांग
सिमेक्स, स्ट्रेट्स टाइम्स	सिंगापुर
कोस्पी	कोरिया
सेट	थाईलैंड
तेन	ताइवान
बोम्बेसेवा	ब्राजील
मिब्वेल	इटली
आई. पी. सी.	मैक्सिको
एस. एन. पी.	कनाडा
एन. एस. ई.	बॉम्बे
सेंसेक्स	बॉम्बे
डॉल्लेक्स	बॉम्बे
वैकेक्स	बॉम्बे

एयर पॉकेट

शेयरों के भाव में उतार-चढ़ाव की स्थिति का होना सामान्य बात है जो कई कारणों से घटित होता है। यदि किसी कंपनी के विषय में कोई प्रतिकूल सूचना आती है तो कंपनी के शेयरों के भाव गिर जाते हैं। इस प्रकार की स्थिति में यदि पहले दिन के बंद भाव और दूसरे दिन के खुलने वाले भाव में काफी अंतर होता हो तो वह स्थिति एयर पॉकेट की होती है।

मुद्रा, बैंकिंग और पूंजी बाजार

- केंद्र सरकार ने 21 मार्च, 2014 को किस बैंक के अपने 9 प्रतिशत हिस्सेदारी का विनिवेश कर दिया, जिससे सरकार को 5500 करोड़ रुपये की आमदनी हुई?
 - एक्सिस बैंक
- सार्वजनिक क्षेत्र के किस बैंक ने 24 मार्च, 2014 को एक नई सेवा 'तत्काल धन अंतरण' (IMT) का आरंभ किया है, जिसके माध्यम से ऐसे लोग भी एटीएम से रुपया निकाल सकते हैं जिनके पास कोई बैंक का खाता नहीं है?
 - बैंक ऑफ इंडिया
- 9 फरवरी, 2004 को देश का पहला तैरता एटीएम केरला शिपिंग एंड इनलैंड नेविगेशन कॉरपोरेशन के 'झंकार' नामक स्टीमर में लगाया गया, जिसे एर्नाकुलम और व्यपीन के बीच चलाया जाता है। यह एटीएम किस बैंक द्वारा लगाया गया?
 - भारतीय स्टेट बैंक
- 31 मई, 2020 तक विदेश में भारत के सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के बैंकों की शाखाओं की कुल संख्या 136 थी। इनमें से सबसे ज्यादा शाखाएं किस बैंक की हैं?
 - भारतीय स्टेट बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा (दोनों के 36-36)
- भारतीय बैंकों की सर्वाधिक 17 शाखाएं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थित हैं। इस मामले में दूसरे स्थान पर कौन-सा देश है?
 - सिंगापुर (14), तीसरे स्थान पर हांगकांग (12)
- 8 मई, 2014 को राष्ट्रपति द्वारा भारत के अपने किस भुगतान कार्ड को राष्ट्र को समर्पित किया गया?
 - रुपये (RuPay)
- केंद्रीय बैंक द्वारा अपनायी गई उस नीति को क्या कहा जाता है, जिसके अंतर्गत कुछ विशिष्ट उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए मुद्रा की प्राप्ति, उसकी लागत (अर्थात् व्याज दर) तथा उसके प्रयोग को नियंत्रित करने के उपायों को सम्मिलित किया जाता है?
 - मौद्रिक नीति
- भारतीय रुपये की विनिमय दर बनाये रखना, मौद्रिक नीति का निर्धारण करना तथा व्यावसायिक बैंकों के बैंक का दायित्व निभाना किसका प्रमुख कार्य है?
 - भारतीय रिजर्व बैंक
- रिजर्व बैंक जब मुद्रा बाजार में सरकारी प्रतिभूतियों, ट्रेजरी बिलों एवं अन्य स्वीकृत परिपत्रों का क्रय-विक्रय करता है, उस बाजार क्रिया को क्या कहते हैं?
 - खुले बाजार की क्रियाएं
- भारतीय रिजर्व बैंक कम आपूर्ति वाली वस्तुओं, यथा- खाद्यान्न, तिलहन, तेल, वनस्पति घी, कपास, खांडसारी, गुड़, चीनी, सूती कपड़ा एवं सूती धागा के विरुद्ध साख निबंधन के लिए किस विधि को अपनाता है?
 - चयनात्मक साख निबंधन (Selective Credit Control)
- केंद्रीय बैंकों द्वारा किस प्रकार के साख नियंत्रण के लिए प्रायः बैंक दर, खुले बाजार की क्रियाओं, सांविधिक तरलता अनुपात तथा परिवर्तनीय नकद आरक्षण अनुपात का सहारा लिया जाता है?
 - परिमाणात्मक साख नियंत्रण (Quantitative Credit Control)
- प्रचार, साख की रशनिंग, उपभोक्ता साख का नियमन, नैतिक दबाव, मार्जिन आवश्यकताओं में परिवर्तन, प्रत्यक्ष कार्यवाही आदि किस प्रकार के साख निबंधन के उपाय हैं?
 - गुणात्मक साख निबंधन (Qualitative Credit Control)
- भारतीय रिजर्व बैंक से साख प्राप्त करने या बिलों की पुनर्कटौती करवाने के इच्छुक वाणिज्यिक बैंकों को रिजर्व बैंक जिस व्याज दर पर साख प्रदान करता है या जिस दर पर बिलों की पुनर्कटौती करता है, उसे क्या कहते हैं?
 - बैंक दर
- प्रत्येक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को अपनी जमा का निश्चित अंश भारतीय रिजर्व बैंक के पास नकद रूप में रखना अनिवार्य होता है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित किए जाने वाले इस अनुपात को क्या कहा जाता है?
 - नकद आरक्षित अनुपात (CRR: Cash Reserve Ratio)

बाई बैंक

बाई बैंक से आशय सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा अपने जारी किए गए शेयरों के एक अंश को वापस खरीदने से होता है। पुनः वापस क्रय किया गया अंश की चुकता पूंजी में सम्मिलित नहीं होता है। बाई बैंक के बाद कंपनी का पूंजी आधार कम हो जाता है।

पूंजी बाजार

पूंजी बाजार (Capital Market) वित्तीय बाजार की वह स्थिति है, जिसमें केवल दीर्घकालीन प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय होता है।

मुद्रा बाजार

मुद्रा बाजार (Money Market) में मुद्रा का क्रय-विक्रय किया जाता है। मुद्रा बाजार के अंतर्गत उन समस्त व्यक्तियों एवं वित्तीय संस्थाओं को सम्मिलित किया जाता है, जिनके द्वारा अल्प काल के लिए मुद्रा उपलब्ध करायी जाती है।

वित्तीय बाजार

वित्तीय बाजार (Financial Market) से आशय मुद्रा बाजार तथा पूंजी बाजार से है। मुद्रा बाजार में अल्पकालिक प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय तथा पूंजी बाजार में दीर्घकालीन प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय होता है।

संसाधन बाजार

उत्पादन साधनों के लिए बाजार, जहां संसाधनों तथा आगतों का क्रय-विक्रय किया जाता है, संसाधन बाजार (Resources market) कहलाते हैं।

काला बाजार

वह अवैध बाजार, जिसमें वस्तुएं वैध कीमत सीमा से अधिक कीमत पर विकती हैं, काला बाजार (Black Market) कहलाता है। साथ ही, वस्तुओं का वह व्यापार जिसे आधिकार से बचने के लिए खातों में नहीं दिखाया जाता।

- नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) जितना ही अधिक होगा, वाणिज्यिक बैंकों की साख सुजन क्षमता उतनी ही कम होगी या ज्यादा?

- कम

- भारतीय रिजर्व बैंक के पास सीआरआर के तहत रखे गए नकद के अतिरिक्त वाणिज्यिक बैंकों को अपनी सम्पत्ति का एक निश्चित अनुपात में नकद, स्वर्ण, विदेशी मुद्रा की स्वीकृत प्रतिभूतियों में रखना पड़ता है। इस अनुपात को क्या कहा जाता है?

- वैधानिक तरलता अनुपात (SLR: Statutory Liquidity Ratio)

- जब भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रतिभूतियों को क्रय किया जाता है, तब बाजार में तरलता की कमी हो जाती है। इससे मुद्रास्फीति कम होती या बढ़ती है?

- कम होती है

- जब भारतीय रिजर्व बैंक बाजार से प्रतिभूतियों या हुडियों का क्रय करता है तो बाजार में क्या बढ़ जाती है?

- तरलता/मुद्रा की पूर्ति

- भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंकों को बेचे जाने वाले सरकारी बॉण्डों व प्रतिभूतियों पर अदा की जाने वाली ब्याज दर को क्या कहा जाता है?

- रेपो दर

- किस दर के तहत रिजर्व बैंक प्रतिभूतियों को क्रय करता है, जिसे एक निश्चित समय के बाद पुनः बेचने का समझौता करता है?

- प्रतिकूल रेपो दर (Reverse Repo Rate)

- रेपो रेट के द्वारा रिजर्व बैंक मुद्रा बाजार से तरलता निकालता है, वहीं प्रतिकूल रेपो रेट के द्वारा यह तरलता को मुद्रा बाजार में डालता है। यह मुद्रा बाजार में तरलता को समायोजित करने का सर्वाधिक प्रचलित तरीका है। यहां रेपो (REPO) का पूरा रूप क्या है?

- Repurchase Options (पुनर्क्रय विकल्प)

- वह न्यूनतम दर जिस पर पूंजी बाजार में कोई उधार लिया और दिया जाता है तथा मुद्रा उधारी बाजारों में मुद्रा के मूल्य के संबंध में एक बेंचमार्क का काम करती है, कहलाती है?

- संदर्भित दर (Reference Rate)

- उस ब्याज दर को क्या कहा जाता है, जिस पर बैंक अपने सबसे विश्वसनीय ग्राहक को इस विश्वास के साथ उधार देने के लिए तैयार रहता है कि उसकी सभी लागतें तथा व्यय पूरा करने के बाद पूंजी पर पर्याप्त प्रतिकूल मिल जायेगा?

- प्रधान उधारी दर (PLR: Prime lending Rate)

- नरसिम्हन समिति की सिफारिश के मद्देनजर रिजर्व बैंक ने अंतरिम तरलता समायोजन सुविधा, जिसमें रेपो एवं प्रतिकूल रेपो दरों की आवधिक पुनर्निर्धारण सम्मिलित है, द्वारा बाजार को समर्थन प्रदान करने के लिए 21 अप्रैल, 1999 को सामान्य पुनर्वित्त सुविधा के स्थान पर कौन-सी सुविधा जून 2000 से पूर्णतः लागू कर दी?

- अंतरिम समायोजन सुविधा

- भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आर. के. हजारी समिति की सिफारिश के आधार पर वर्ष 1972 से किस ब्याज दर की स्कीम लागू की गई, जिसके तहत समाज के कमजोर वर्ग को कम ब्याज दर पर ऋण दिया जाता है?

- विभेदात्मक ब्याज दर (Differential Interest Rates)

- 1818 में भारत में सबसे पहले एक ब्रिटिश फर्म ने कलकत्ता में किस नाम से बीमा कम्पनी की स्थापित की थी?

- ओरिएण्टल लाइफ इश्योरेंस कम्पनी

- भारतीयों के जीवन को सामान्य से नीचा मानते हुए उनका जीवन बीमा 15 से 20 प्रतिशत अधिक प्रीमियम पर किया जाता था। कौन-सी पहली ऐसी बीमा कम्पनी थी, जिसने सामान्य प्रीमियम पर ही भारतीयों का जीवन बीमा शुरू किया?

- बाँध्ये म्यूचुअल लाइफ इश्योरेंस सोसायटी (स्थापना: 1871)

- जीवन बीमा व्यवसाय को विनियमित करने के लिए पहली बार किस वर्ष एक भारतीय बीमा कम्पनी एक्ट लागू किया गया?

- वर्ष 1912 में?

विक्रेता बाजार

जब मांग अधिक होती है परंतु पूर्ति कम, तब इस स्थिति का लाभ उठाकर व्यापारी वर्ग वस्तुओं को मनमानी कीमतों पर बेचते हैं। बाजार की यह स्थिति विक्रेता बाजार (Seller's Market) कहलाती है।

क्रेता बाजार

जब किसी वस्तु की मांग कम तथा पूर्ति अधिक होती है तो क्रेता, विक्रेता की अपेक्षा लाभ की स्थिति में होता है। ऐसे बाजार को क्रेता बाजार (Buyer's Market) कहा जाता है।

प्रतिभूति

प्रतिभूति (Security) शब्द एक व्यापक शब्द है। इसका प्रयोग कई अर्थों में होता है। एक अर्थ में प्रतिभूति शब्द का प्रयोग प्रपत्रों के रूप में वित्तीय परिसम्पत्तियों यथा शेयर, डिबेंचर एवं अन्य ऋणपत्रों आदि के लिए किया जाता है। बैंकिंग व्यवसाय में प्रतिभूति शब्द का प्रयोग जमानत के संदर्भ में किया जाता है, जहां प्रतिभूति से अधिग्राह्य उस बीमित हित से होता है जो ऋण का भुगतान न होने की स्थिति में उत्पन्न होता है। बैंकों द्वारा ऋणों को व्यक्तिगत अथवा इश्य प्रतिभूति के आधार पर ऋण प्रदान किया जाता है।

व्यक्तिगत प्रतिभूति

बैंक प्रायः कम मात्रा में ऋण लेने वाले व्यक्ति से व्यक्तिगत अथवा किसी तीसरे व्यक्ति की व्यक्तिगत प्रतिभूति (Personal Security) को स्वीकार करती है। व्यक्तिगत प्रतिभूति में ऋणी का चरित्र, उसकी सम्पत्ति तथा क्षमता को ध्यान में रखा जाता है।

सरकारी प्रतिभूतियाँ

सरकारी प्रतिभूतियाँ (Government Securities) में सरकारी प्रतिज्ञा-पत्र, राष्ट्रीय बचत योजना, वाहक बंधन-पत्र आदि सम्मिलित किए जाते हैं। सरकारी

मुद्रा, बैंकिंग और पूंजी बाजार

- केंद्र सरकार ने उस समय भारत में कार्यरत 245 भारतीय तथा विदेशी बीमा कम्पनियों को अपने अधिकार में लेकर उनका कब राष्ट्रीयकरण किया?
- 1 सितंबर, 1956 को
- संसद में एक अधिनियम पारित कर 1 सितंबर, 1956 में 5 करोड़ रुपये की पूंजी के साथ बीमा क्षेत्र में किस सार्वजनिक कम्पनी की स्थापना की गई?
- भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी)
- बीमा क्षेत्र में सुधार के लिए गठित किस समिति ने एलआईसी के लिए 5 करोड़ रुपये के पूंजी आधार को बढ़ाकर 200 करोड़ रुपये करने की सिफारिश की थी, किंतु सरकार ने उसे स्वीकार नहीं किया?
- मल्होत्रा समिति
- वर्तमान में देश भर में भारतीय जीवन बीमा निगम के 8 क्षेत्रीय कार्यालय स्थित हैं। इसका मुख्यालय कहाँ स्थित है?
- मुम्बई
- समाज के कमजोर संवेदनशील वर्गों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से किस वर्ष सामाजिक सुरक्षा कोष की स्थापना की गई?
- 1988-89
- निर्धनता रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले 18-60 वर्ष के आयु वर्ग के व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए 10 अगस्त, 2000 को किस नाम से एक नई सामूहिक बीमा योजना शुरू की गई?
- जनश्री बीमा योजना
- बीमा क्षेत्र में उभर रही प्रतियोगिता के परिप्रेक्ष्य में भारतीय जीवन बीमा निगम ने 13 फरवरी, 2001 को पहली बार एक पूंजी बाजार सम्बद्ध बीमा योजना का प्रारंभ किस नाम से किया गया?
- बीमा प्लस
- मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी की तर्ज पर 'बीमा पोर्टेबिलिटी', जिसके तहत स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों के धारक अब अपनी मौजूदा पॉलिसी की शर्तों पर ही किसी दूसरी कम्पनी से बीमा जारी रख सकेंगे, संबंधी प्रस्ताव बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण ने 10 फरवरी, 2011 को मंजूर किए। देश में बीमा पोर्टेबिलिटी की यह सुविधा कब से उपलब्ध है?
- 1 जुलाई, 2011 से
- भारत में पहली सामान्य बीमा कम्पनी किस नाम से कोलकाता में 1850 में स्थापित की गई थी, जिसमें अधिकांश शेयर अंग्रेजों के थे?
- ट्राइटन इश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड
- सामान्य बीमा के क्षेत्र में कार्य करने वाली पहली भारतीय कम्पनी इंडियन मर्केन्टाइल इश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड कहाँ और कब स्थापित की गई?
- मुम्बई में वर्ष 1907 में
- सरकार ने सामान्य बीमा व्यवसाय (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1972 के तहत सामान्य बीमा व्यवसाय का राष्ट्रीयकरण कब किया?
- 1 जनवरी, 1973 को
- भारतीय साधारण बीमा निगम (General Insurance Corporation of India) नामक सरकारी कम्पनी ने 1 जनवरी, 1973 से कार्य करना प्रारम्भ किया। भारत सरकार ने इसकी स्थापना कब की?
- नवंबर 1972 में
- भारतीय साधारण बीमा निगम की चार सहायक कम्पनियाँ— नेशनल इश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड (कोलकाता), न्यू इंडिया इश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड (मुम्बई), ओरिएन्टल इश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड (नई दिल्ली) और यूनाइटेड इंडिया इश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड (चेन्नई) को कब जीआईसी से अलग कर दिया गया?
- 3 नवंबर, 2000 को
- उक्त चार कम्पनियों ने किस नाम से एक एसोसिएशन बना लिया है?
- जनरल इश्योरेंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया
- पूरे देश में गरीब परिवारों के 18-60 वर्ष की आयु वर्ग के सभी व्यक्तियों के लिए, जिनकी सालाना आमदनी 7200 रुपये से कम है, किसी भी दुर्घटना में कमाने वाले सदस्य की मृत्यु हो जाने पर इसके आश्रितों को किस योजना के तहत मुआवजा दिया जाता है?
- व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना

प्रतिभूतियों की जमानत पर बैंकों द्वारा सरलता से ऋण उपलब्ध करा दिया जाता है। ध्यातव्य है कि सरकारी प्रतिभूतियों का मूल्य स्थिर होता है।

बुल एंड बीयर

शेयर बाजार में शेयरों की कीमतों के ऊंचा चढ़ने का विश्वास करने वाला सट्टेबाज बुल (तेजदिया) एवं कीमतों में गिरावट का विश्वास करने वाला सट्टेबाज बीयर (मंददिया) कहलाता है।

समपार्श्विक प्रतिभूति

समपार्श्विक प्रतिभूति (Collateral Securities) ऋण की सुरक्षा के दृष्टिकोण से प्राथमिक प्रतिभूति के अतिरिक्त ऋणी से प्राप्त की जाती है। यह प्रतिभूति तृतीय पहकार द्वारा उसकी जमानत स्वरूप अथवा ऋणी द्वारा अन्य प्रतिभूतियाँ प्रदान करके उपलब्ध की जाती है।

अल्फा शेयर

जिन शेयरों में अक्सर काफी मात्रा में कारोबार होता है, उनको अल्फा श्रेणी के शेयर की संज्ञा प्रदान की गई है। ए श्रेणी और ब्लू चिप शेयर अल्फा श्रेणी के शेयर हैं। परंतु अब बी श्रेणी के कुछ शेयर भी अल्फा की श्रेणी में आ गए हैं।

एडवांस डिक्लेन

एडवांस डिक्लेन (Advance Decline) शेयर बाजार की प्रवृत्ति को प्रदर्शित करने वाला एक माप है। किसी समयावधि में मूल्य वृद्धि को प्रदर्शित करने वाले शेयरों की संख्या का मूल्य ऋास वाले शेयरों की संख्या का अनुपात ही एडवांस डिक्लेन कहलाता है।

बूम (Boom)

अर्थव्यवस्था में बूम की स्थिति उससमय जनित होती है, जब आर्थिक क्रियाओं का त्वरित गति से विस्तार होता है। यह मंदी की विलोम स्थिति है। मांग में वृद्धि के परिणामस्वरूप किसी उद्योग विशेष में भी बूम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

- आग लगने की वजह से झोपड़ी या सामान नष्ट हो जाने की हालत में भूमिहीन मजदूरों, छोटे किसानों, दस्तकारों और अन्य गरीब परिवारों को किस योजना के तहत बीमा सुरक्षा प्रदान की जाती है?
- **झोपड़ी बीमा योजना**
- किस योजना में किसी व्यक्ति द्वारा बीमा अवधि के दौरान किसी बीमारी या रोग के लग जाने या चोट खा जाने पर उसके अस्पताल या घर में इलाज पर खर्च की गई राशि की प्रतिपूर्ति की व्यवस्था है?
- **मेडिकलेम बीमा योजना**
- इलाज का भारी खर्च उठा सकने में अक्षम व्यक्तियों को 70 रुपये से 140 रुपये प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष के प्रीमियम पर जन-आरोग्य बीमा पॉलिसी नामक योजना की शुरुआत कब की गई?
- **12 अगस्त, 1996 को**
- आम बजट 2015-16 में घोषित और 9 मई, 2015 को प्रारंभ की गई किस योजना के तहत मात्र 12 रुपये सालाना प्रीमियम पर देश का कोई भी नागरिक दो लाख रुपये तक के दुर्घटना बीमा का हकदार होगा?
- **प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना**
- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना 9 मई, 2015 को केंद्र सरकार द्वारा लांच की गई। इसके तहत कितने सालाना प्रीमियम पर 18 से 50 वर्ष के आयु वर्ग के नागरिक दो लाख रुपये तक के दुर्घटना बीमा का हकदार होगा?
- **330 रुपये**
- विकलांग व्यक्तियों को सस्ती स्वास्थ्य बीमा योजना प्रदान करने के उद्देश्य से सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय और न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के बीच 21 सितंबर, 2015 को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इसके तहत कौन-सी बीमा योजना प्रारंभ की गई है?
- **स्वावलंबन स्वास्थ्य बीमा योजना**
- स्वावलंबन स्वास्थ्य बीमा योजना से प्रति वर्ष कम से कम 3,00,000 रुपये की पारिवारिक आय के किस आयु वर्ग के व्यक्तियों को लाभ मिलेगा?
- **18 वर्ष से 65 वर्ष तक**
- जनवरी 1998 से कौन-सी पॉलिसी शुरू की गई, जिसके अंतर्गत बीमाधारक को विदेश यात्रा के दौरान चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति के साथ अतिरिक्त लाभ दिए जाते हैं?
- **विदेश यात्रा मित्र योजना**
- 19 अक्टूबर, 1998 को शुरू की गई वह कौन-सी पॉलिसी है जो 18 वर्ष तक की ऐसी बालिकाओं के लिए है, जिनके माता-पिता की आयु 60 वर्ष से ऊपर न हो और बीमे का वार्षिक प्रीमियम 15 रुपये है?
- **भागीदारी बाल कल्याण पॉलिसी**
- 19 अक्टूबर, 1998 को किस योजना की शुरुआत की गई, जिसमें 10 से 75 वर्ष की महिलाओं को उनके व्यवसाय को देखे बिना बीमा सुरक्षा प्रदान किया जाता है और जिसमें 15 रुपये वार्षिक के प्रीमियम में पूर्ण विकलांगता की स्थिति में 25,000 रुपये तक बीमा संरक्षण दिया जाता है?
- **राज राजेश्वरी महिला कल्याण योजना**
- प्राकृतिक आपदाओं से फसल नष्ट होने पर किसान को सहायता देने के लिए पुरानी वृहद फसल बीमा योजना को समाप्त कर वर्ष 1999-2000 के रबी के मौसम से किस योजना की शुरुआत की गई?
- **राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना**
- एक्जुअरीज का कारोबार बीमा से संबंधित होता है। बीमा पॉलिसियों के तहत कवर किए जाने वाले जोखिमों का निर्धारण तथा इनके लिए बीमा प्रीमियम का आकलन एक्जुअरीज द्वारा किया जाता है। इस व्यवसाय को विनियमित करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा लाये गए 'एक्जुअरीज बिल-2005' को संसद के दोनों सदनों ने कब पारित किया?
- **अगस्त 2006 में**
- बीमा क्षेत्र में निजी कम्पनियों के प्रवेश का मार्ग प्रशस्त करते हुए केंद्र सरकार ने 19 अप्रैल, 2000 को किस प्राधिकरण का गठन किया?
- **बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीए)**

बॉन्ड (Bond)

बॉन्ड से आशय ऋणपत्रों से होता है। बॉन्ड केंद्रीय सरकार, राज्य सरकार अथवा किसी संस्थान द्वारा ऋण लेकर जारी किया जाता है। संयुक्त पूंजी कम्पनियां ऋण प्राप्त करने के लिए अपने डिबेंचर जारी करती हैं। इन बॉन्डों का हस्तांतरण भी किया जाता है। बॉन्ड को जारी करने वाली संस्था बॉन्ड के धारक को व्याज अदा करती है।

म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड में जनसामान्य के निवेश योग्य धन को ऐच्छिक आधार पर एकत्रित करके विनियोग के बेहतर अवसरों में निवेश किया जाता है। म्यूचुअल फंड की स्थापना निवेश तथा वित्तीय निर्णय लेने में दक्ष संस्थाओं द्वारा की गई। यूनिट-64 भारत का पहला म्यूचुअल फंड है जो 1964 में भारतीय यूनिट ट्रस्ट द्वारा जारी किया गया था।

ब्रिज लोन

कम्पनियों द्वारा अपने शेयर/ ऋणपत्र को गिरवी रखकर अल्पावधि के लिए बैंकों से लिया जाने वाला ऋण 'ब्रिज लोन' कहलाता है। अन्य शब्दों में, कम्पनियां प्रायः अपनी पूंजी का विस्तार करने के लिए नए शेयर तथा ऋणपत्र निर्गमित करती हैं। कम्पनी का इस प्रक्रिया में पूंजी एकत्र करने में 3 माह से अधिक का समय लग जाता है। इस समयावधि में अपना काम जारी रखने के लिए कम्पनियां बैंकों से अंतरिम अवधि के लिए ऋण लेती हैं। यह ऋण ही ब्रिज लोन होता है।

ब्लू चिप

ब्लू चिप शब्द का प्रयोग उन कम्पनियों के लिए किया जाता है, जिनकी वित्तीय स्थिति काफी सुदृढ़ है तथा जिनका प्रबंध अति कुशल है। ब्लू चिप शेयरों को क्रय करने पर हानि की सम्भावना काफी कम होती है। इन्हें इच्छित समय पर उचित मूल्य पर बेचा जा सकता है।

मुद्रा, बैंकिंग और पूंजी बाजार

- मार्च 2015 में संसद में पारित बीमा कानून (संशोधन) विधेयक, 2015 में बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 49 प्रतिशत कर दिया गया है। वर्ष 2019-20 के आम बजट में वित्त मंत्री ने बीमा क्षेत्र में कितने प्रतिशत एफडीआई का प्रस्ताव किया है? - 100 प्रतिशत
- अप्रैल 1993 में केंद्र सरकार द्वारा गठित किस समिति की सिफारिशों के आधार पर भारत में बीमा क्षेत्र का निजीकरण किया गया? - मल्होत्रा समिति
- सामान्य बीमा कारोबार के लिए इलहाबाद बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, कर्नाटक बैंक लि. और डाबर इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन ने जापान की सोमो जापान इंश्योरेंस कम्पनी के साथ मिलकर 1 नवंबर, 2006 को किस कम्पनी की स्थापना की? - यूनीवर्सल सोमो जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लि.
- भारत के जीवन बीमा क्षेत्र में प्रवेश करने वाली पहली जापानी बीमा कम्पनी (2006 में) कौन है? - टाई-डची लाइफ
- इंश्योरेंस ऑस्ट्रेलिया ग्रुप (आईएजी) के साथ भागीदारी में नवंबर 2008 में किस राष्ट्रीयकृत बैंक ने साधारण बीमा क्षेत्र में प्रवेश किया? - भारतीय स्टेट बैंक
- एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कम्पनी के माध्यम से देश के सबसे बड़े वाणिज्यिक बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने जीवन बीमा क्षेत्र में जून 2001 में प्रवेश कर लिया था। इसकी पहली बीमा पॉलिसी किस नाम से बिक्री हेतु जारी की गई थी? - 'संजीवन'
- 'मार्ग बंधु' (पर्यटन, शैक्षणिक भ्रमण अथवा तीर्थयात्रा पर जाने वाले लोगों के लिए), 'नाद लाहरी' (कलाकारों के हित के लिए) और 'क्रैडल केयर' (नवजात शिशुओं के लिए) नामक स्वास्थ्य बीमा से संबंधित तीनों पॉलिसियां किस कम्पनी की हैं? - यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस
- उस वित्तीय बाजार को क्या कहा जाता है, जहां मध्यम तथा दीर्घकालीन फंड का लेन-देन होता है, सम्पत्तियां प्रतिभूतियां खरीदी-बेची जाती हैं तथा जहां लम्बी अवधि के लिए बचतों को बेचा जाता है? - पूंजी बाजार
- मुद्रा बाजार वह वित्तीय बाजार है, जहां व्यक्तियों तथा वित्तीय एवं अन्य संस्थाओं की निवेश योग्य पूंजी को व्यक्तिगत संस्था तथा सरकार बोली लगाकर प्राप्त करती है। इस बाजार में किस प्रकार की निधियों का व्यवसाय होता है? - अल्पकालीन निधियों का (सामान्यतः एक वर्ष कम अवधि की)
- मुद्रा बाजार में मुद्रा का नकदी लेन-देन नहीं बल्कि विनिमय पत्रों, प्रतिज्ञा पत्रों एवं अल्पकालीन सरकारी प्रतिभूतियों का व्यवसाय किया जाता है। इन अल्पकालीन वित्तों को किस मुद्रा की संज्ञा दी जाती है? - समीप मुद्रा (Near Money)
- भारतीय रिजर्व बैंक को अर्थव्यवस्था में तरलता की मात्रा को नियंत्रित करना होता है, तो वह किस प्रकार के बाजार में कार्यवाही करती है? - मुद्रा बाजार
- भारत में चूँकि मांग मुद्रा बाजार के प्रमुख कर्ता-धर्ता वाणिज्यिक बैंक होते हैं, इसलिए इस बाजार को किस अन्य नाम से जाना जाता है? - अंतरबैंक मांग मुद्रा बाजार
- भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकिंग प्रणाली में अल्पावधि तरलता के समायोजन के लिए 'अंतरबैंक भागीदारी सर्टिफिकेट' (Inter-Bank Participation Certificates: IBPCs) नामक प्रणाली को शुरुआत कब की? - दिसंबर 1988
- अंतरबैंक भागीदारी प्रणाली के तहत दो तरह के साझेदारों की बात की गई है। पहले जोखिम साझेदारी आधार पर अंतरबैंक भागीदारी की अवधि 91 से 180 दिन की हो सकती है। बिना जोखिम की अंतरबैंक भागीदारी की अवधि कितने दिन से अधिक नहीं हो सकती है? - 90 दिन

बासेल-III

बासेल-III अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग नियमों का एक समुच्चय है जो अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट द्वारा विकसित किया गया है। बासेल-III नियमों को उन बैंकों द्वारा अर्थव्यवस्था को पहुंचाने वाले नुकसान को कम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो अतिरिक्त जोखिम लेते हैं। बैंकिंग निरीक्षण पर बासेल समिति के सदस्यों ने नवंबर 2010 में बासेल-III पर सहमति व्यक्त की। प्रारंभ में 2013 से 2015 तक विनियम पेश किए गए थे, जिसमें मार्च 2019 और जनवरी 2022 तक कई विस्तार हुए। बासेल-III के नियमों में बैंकों की पूंजी संरचनाओं के लिए कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। सबसे पहले, इक्विटी की न्यूनतम राशि, संपत्ति के प्रतिशत के रूप में, 2% से बढ़कर 4.5% हो गई है। अतिरिक्त 2.5% बफर का भी आवश्यकता होती है, जिससे कुल इक्विटी आवश्यकता 7% हो जाती है। इस बफर का उपयोग वित्तीय तनाव के समय में किया जा सकता है, लेकिन ऐसा करने वाले बैंक लाभों का भुगतान करने की क्षमता और अन्यथा पूंजी को तैनात करने का बाधाओं का सामना करेंगे। बासेल-1 समझौते पर 1988 में हस्ताक्षर हुए तथा यह पूंजी पर्याप्तता के न्यूनतम मानकों की अवधारणा को लागू करने के लिए पहले प्रयास के रूप में 1992 से लागू किया गया। दूसरा समझौता बासेल-II मानदंडों के रूप में 1999 में अनुमोदित किया गया तथा इसके मानकों को 2006 से लागू किया गया। भारत में यह पूरी तरह से 1 अप्रैल, 2009 से भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के तहत लागू किया गया।

पूंजी पर्याप्तता अनुपात (CAR)

पूंजी पर्याप्तता से तात्पर्य ऐसी पूंजी से है, जिसे उस कम्पनी द्वारा किसी व्यावसायिक आँखि से सृजन के एक निश्चित स्तर तक अपने पास रखना चाहिए। पूंजी पर्याप्तता अनुपात (CAR) व्यवसाय के उस स्तर

- जमा प्रमाणपत्र (Certificate of Deposits) किसी एक निवेशक को किसी बैंक द्वारा जारी किया जा सकता है, जिसकी अवधि 3 माह से 1 वर्ष के मध्य होती है। मुद्रा बाजार के एक उपकरण के रूप में जमा प्रमाणपत्र की योजना भारतीय रिजर्व बैंक ने कब शुरू की? - मार्च 1989
- सरकार द्वारा बट्टे पर और निश्चित अवधि के लिए जारी किए जाने वाले उस बिल को क्या कहा जाता है, जो सर्वाधिक तरल प्रतिभूति होती है? - खजाना बिल बाजार (Treasury Bill Market)
- सरकारी प्रतिभूतियों तथा खजाना बिलों से संबंधित द्वितीयक बाजार विकसित करने के उद्देश्य से भारतीय प्रतिभूति व्यापार निगम (STCI: Securities Trading Corporation of India) की स्थापना कब की गई? - मई 1994
- सरकारी प्रतिभूतियों के प्राथमिक व्यापारी के रूप में प्रसिद्ध किस निगम को आरबीआई से विपरीत रिपोज की सुविधा प्राप्त है? - भारतीय प्रतिभूति एवं व्यापार निगम
- ऋण के लेन-देन की दरों के मध्य अपने लिए कम मात्रा रखते हुए अधिक टर्नओवर बनाकर मांग मुद्रा बाजार को स्थिर करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने 25 अप्रैल, 1988 को किस संस्था की स्थापना की गई? - डिस्काउंट एंड फाइनेंस हाउस ऑफ इंडिया (DFHI)
- सरकारी प्रतिभूति बाजार में अवसंरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक ने प्राथमिक डीलर्स की प्रणाली कब शुरू की? - वर्ष 1995 में
- उस पूंजी बाजार को क्या कहा जाता है, जिसके तहत कम्पनियां सीधे आम जनता से निधि प्राप्त करती हैं? - प्राथमिक पूंजी बाजार
- बीएसई, एनएसई, आदि स्टॉक एक्सचेंज किस प्रकार के पूंजी बाजार के उदाहरण हैं? - द्वितीयक पूंजी बाजार
- स्टॉक एक्सचेंज वह संगठन है, जहां पर विभिन्न प्रकार की औद्योगिक प्रतिभूतियों, विभिन्न निकायों तथा अन्य जन उपयोगी संस्थाओं द्वारा जारी किए गए ऋण पत्रों का क्रय-विक्रय होता है। स्टॉक एक्सचेंजों को क्या कहा जाता है? - देश का आर्थिक बैरोमीटर
- 3 सितंबर, 1887 को किस नाम से भारत का पहला स्टॉक एक्सचेंज बम्बई में स्थापित किया गया? - द नेटिव शेयर एंड ब्रोकर्स एसोसिएशन
- भारत में स्टॉक एक्सचेंजों की गतिविधियों पर नियंत्रण रखने के लिए लाये गए किस अधिनियम द्वारा 1956 में 'द नेटिव शेयर ब्रोकर्स एसोसिएशन' का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया? - प्रतिभूति अधिनियम, 1956
- 31 अगस्त, 1957 को एक निगम के रूप में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) अस्तित्व में आया। इसको किस वर्ष एक कम्पनी में बदल दिया गया? - वर्ष 2001 में
- बीएसई के सूचकांक को भारतीय शेयर बाजार का एक अग्रणी सूचकांक माना जाता है। इसको किस नाम से जाना जाता है? - सेंसेक्स
- आधार वर्ष 1978-79=100 के साथ बीएसई ने देश के पहले इक्विटी सूचकांक 'सेंसेक्स' की शुरुआत कब की? - 2 जनवरी, 1986 को
- एशिया के पहले स्टॉक एक्सचेंज के रूप में प्रसिद्ध बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज दिसंबर 2012 में सूचकांक विकल्प कारोबार (Index options trading) के मामले में विश्व में किस स्थान पर रहा? - तीसरा
- मार्च 2015 तक बीएसई सेंसेक्स में सूचीबद्ध कम्पनियों की संख्या कितनी थी? - कुल 30

को निर्धारित करता है, जिसके अनुसार कोई वाणिज्यिक बैंक, वित्तीय संस्थान या गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनी अपने पास पूंजी रख सकती है। इसको CRAR (Capital to Risk Weighted Assets Ratio) भी कहा जाता है। वर्तमान में रिजर्व बैंक ने न्यूनतम सीआरएआर 9 प्रतिशत रखा है, लेकिन भारत सरकार ने 8 प्रतिशत टियर-1 पूंजी के साथ 12 प्रतिशत के सीआरएआर का आदेश दे रखा है।

कैश काऊ

जब कोई शेयर लगातार अच्छा लाभ देता है, तो ऐसे शेयरों को कैश काऊ कहा जाता है। कोई ऐसा व्यवसाय जिसमें वर्तमान में काफी लाभ हो रहा हो, परंतु उसका भविष्य ठीक नहीं हो तो ऐसे व्यवसाय के स्वामी इससे लाभार्जन तो अवश्य करते हैं परंतु लाभ को उस व्यवसाय में नहीं लगाते हैं, बल्कि किसी अन्य व्यवसाय में विनियोजित करते हैं, जिसका भविष्य अच्छा होता है।

हवाला

हवाला का अर्थ बताये गए या हवाला दिए गए निर्दिष्ट व्यक्ति को भुगतान करने से है। इस लेन-देन में अनाधिकृत रूप से एक देश से दूसरे देश में विदेशी मुद्रा विनिमय किया जाता है। वस्तुतः विदेशी मुद्रा का एक स्थान से दूसरे स्थान पर गैर-कानूनी रूप से हस्तांतरण का नाम हवाला है।

गुणक

निवेश में हुई वृद्धि के कारण आय में वृद्धि का अनुपात गुणक (Multiplier) कहलाता है। गुणक का आकार सीमांत उपभोग प्रवृत्ति पर निर्भर करता है। सीमांत उपभोग प्रवृत्ति के अधिक होने पर गुणक भी अधिक होता है। इसके विपरीत यदि सीमांत उपभोग प्रवृत्ति का मान कम हो तो गुणक भी कम होगा।

मुद्रा, बैंकिंग और पूंजी बाजार

- बीएसई-200 (आधार वर्ष 1989-90) बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का एक सूचकांक है, जिसकी शुरुआत 1998 में की गई और इसमें 200 कंपनियों को सूचीबद्ध किया गया। जब बीएसई-200 का आकलन डॉलर में किया जाता है, तो उसे क्या कहा जाता है?
- **डोलेक्स (Dollex)**
- बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने 15 जून, 2003 को बैंकों के लिए एक भिन्न सूचकांक बनाया (आधार तिथि 1 जनवरी, 2002)। इस सूचकांक को किस नाम से जाना जाता है?
- **बैंकेक्स (Bankex)**
- भारत में पहली स्क्रीन आधारित राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज कौन-सा है, जिसमें छोटी और मध्यम श्रेणी की कंपनियां सूचीबद्ध हैं?
- **ओवर द काउंटर एक्सचेंज ऑफ इंडिया (OTCEI)**
- ओटीसीआईआई की स्थापना 1990 में मुंबई में की गई। इसने कार्य करना किस वर्ष प्रारंभ किया?
- **वर्ष 1992 में**
- भारत में राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज (NSE) की स्थापना 26 अप्रैल, 1993 को (मुख्यालय-मुंबई) की गई। इसकी स्थापना की संस्तुति किस समिति ने की थी?
- **फेरवानी समिति (1991)**
- एनएसई ने 22 अप्रैल, 1996 को निफ्टी की शुरुआत की, जो अपेक्षाकृत अधिक तरल प्रतिभूति है। इसने तथा मिडकैप इंडेक्स की शुरुआत कब की?
- **1 जनवरी, 1997 को**
- वर्ष 1987-88 के केंद्रीय बजट में सरकार ने पूंजी बाजार के विनियमन एवं नियंत्रण हेतु एक संस्था के गठन करने की घोषणा की। इसी घोषणा के अनुरूप 12 अप्रैल, 1988 को किस संस्था की स्थापना की गई?
- **भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी)**
- किस वर्ष पहले एक अध्यादेश और बाद में संबंधित अधिनियम के द्वारा सेबी को एक उच्चाधिकार प्राप्त सांविधिक संस्था का दर्जा प्रदान किया गया?
- **वर्ष 1992**
- पूंजी बाजार की उस नवीनतम व्यवस्था को क्या कहा जाता है, जिसके तहत स्वामित्व संबंधी परिवर्तन इलेक्ट्रॉनिक बही प्रविष्टि अंतरण के द्वारा होता है, प्रतिभूतियों का भौतिक आदान-प्रदान नहीं होता?
- **निक्षेप निधि प्रणाली (Depository System)**
- सेबी ने 8 नवंबर, 1996 को मुंबई में भारत की पहली डिपॉजिटरी कंपनी की स्थापना की, जिसके साथ ही भारत में पेपरलेस ट्रेडिंग की शुरुआत हो गई। इस कंपनी का क्या नाम है?
- **नैशनल सिक्क्यूरिटीज ऑफ डिपॉजिटरी लिमिटेड (NSDL)**
- फरवरी 1998 में देश की सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (CDSL) के रूप में दूसरी डिपॉजिटरी की स्थापना की गई। इसकी स्थापना किसने की?
- **बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज**
- उस शेयर को क्या कहा जाता है, जिसका शेयरधारक कंपनी का आंशिक हिस्सेदार होता है तथा वह कंपनी के लाभ और हानि से जुड़ा होता है?
- **इक्विटी शेयर**
- उन शेयरों को क्या कहा जाता है जो बाजार के रुख से अलग दिशा में चलते हैं अर्थात् बाजार में शेयरों के भाव में वृद्धि हो रही है तो इन शेयरों के भाव कम हो जाते हैं और यदि बाजार का रुख गिरावट का होता है तो इन शेयरों का मूल्य बढ़ जाता है?
- **कंट्रैरियन शेयर**
- उस सूचकांक को क्या कहा जाता है, जिसका प्रयोग शेयर बाजार की दैनंदिन तेजी या मंदी के रुख का पता लगाने के लिए किया जाता है?
- **ए.डी. इंडेक्स (Advance Decline Index)**

जीरो नेट एड

जब किसी देश विशेष की आर्थिक स्थिति आत्मनिर्भरता की स्थिति में पहुंच जाती है और उसे किसी विदेशी आर्थिक सहायता की आवश्यकता नहीं होती है, तो यह स्थिति जीरो नेट एड कहलाती है।

डे ऑर्डर

जब किसी व्यक्ति को किसी कंपनी का शेयर क्रय करना होता है, तब वह किसी शेयर दलाल के पास जाता है। वहां वह व्यक्ति दलाल को शेयर खरीदने की इच्छा और शर्तें बताता है, तो उसे डे ऑर्डर कहा जाता है। यह शेयर के विक्रय की स्थिति में भी लागू होता है।

ऋणपत्र

ऋणपत्र (Bond) केंद्र सरकार या राज्य सरकार द्वारा जारी किया जाता है। इस पर निर्धारित या स्थिर ब्याज प्राप्त होती है। ऋणपत्र प्रायः दीर्घकालीन प्रतिभूति होता है। इसका विक्रय भी किया जा सकता है।

नैशनल इनवेस्टर रेटिंग्स इंडेक्स

‘नैशनल इनवेस्टर रेटिंग्स इंडेक्स’ (आरआईआरआई) का आकलन देश के जीडीपी की वृद्धि दर और इसके वृहद आर्थिक संकेतकों का औसत निकाल कर किया जाता है। इसको राजकोषीय घाटे, चालू लेखा घाटे और मुद्रास्फीति (सभी नकारात्मक संकेतों सहित) की औसत के रूप में मापा जाता है। इस तरह विकास और वृहद आर्थिक स्थिरता को समान भारांश दिया जाता है। यह आंकड़ा जितना अधिक होगा, निवेशक रेटिंग उतनी ही बेहतर होगी।

ग्लोबल डिपॉजिटरी रिसीट

ग्लोबल डिपॉजिटरी रिसीट (जीडीआर) के जरिए भारत में सूचीबद्ध कंपनियां विदेश में डिपॉजिटरी शेयर जारी कर डॉलर या यूरो में पूंजी जुटाती हैं। यह काफी लोकप्रिय तरीका है। जीडीआर एक प्रकार के बैंक प्रमाण पत्र होते हैं। कंपनी के शेयरों के बन्धन इन्हें एक से अधिक देशों में जारी किया जाता है।

- जब कोई कम्पनी अपना नया इश्यू जारी करती है और उसका विक्रय पहले ही दिन पूरा होकर बंद हो जाता है तो उसे क्या कहा जाता है?

- ब्लो आउट या आउट ऑफ विंडो

- ए.डी. इंडेक्स की गणना के लिए एक दिन में जिन शेयरों के मूल्य बढ़ते हैं, उनकी संख्या में उन शेयरों को भाग दिया जाता है, जिनके मूल्य उस दिन गिरे होते हैं। जब इंडेक्स 1 से अधिक होता है और 1 से कम होता है तो बाजार में किस स्थिति का रुख होता है?

- क्रमशः तेजी और मंदी का

- उस विनियोजक को क्या कहा जाता है जो शेयरों के मूल्य बहुत नीचे तक गिर जाने की प्रतीक्षा करता है और आशा करता है कि निकट भविष्य में इस कम्पनी की स्थिति में सुधार होगी तथा उसके शेयर का मूल्य बढ़ेगा?

- बॉटम फिशर

- जब उन व्यक्तियों द्वारा भारी मात्रा में शेयरों का क्रय-विक्रय करके लाभ कमाया जाता है, जिनके पास कम्पनियों की गुप्त सूचनाएं होती हैं तो इस प्रकार के शेयरों के क्रय-विक्रय को क्या कहा जाता है?

- इन्साइडर ट्रेडिंग

- कैश ट्रेडिंग के अंतर्गत शेयर सर्टिफिकेट तथा नकद धनराशि का लेन-देन अगली समायोजन तिथि से पहले ही हो जाना चाहिए। यह कितने दिन से अधिक नहीं होनी चाहिए?

- 14 दिन

- जब शेयर बाजार के निर्धारित कारोबार समय के बाद अलग से सौदे किए जाते हैं तो उसे क्या कहा जाता है?

- कब ट्रेडिंग

- जब कोई व्यक्ति नई कम्पनियों के इश्यू खरीदने के लिए भारी मात्रा में शेयरों के आवेदन करते हैं तथा शेयर आवंटित होते ही उनको बेच देते हैं, तो ऐसे व्यक्ति को क्या कहा जाता है?

- स्टैग

- जब शेयर के मूल्य एक निश्चित सीमा में पहुंच जाते हैं, तब क्रय-विक्रय के अनेक स्टॉप ऑर्डर होने लगते हैं। इन ऑर्डरों के कारण पुनः बाजार में दबाव बनता है तथा पुनः ऑर्डर मिलने लगते हैं तो उस स्थिति को क्या कहते हैं?

- स्नोबालिंग

- किसी स्टॉक के आकलन का वह सबसे प्रचलित अनुपात कौन-सा है, जिसको किसी कम्पनी के किसी विशेष के बाजार भाव में प्रति शेयर आय से भाग देकर ज्ञात किया जाता है?

- पी. ई. अनुपात

- डेरिवेटिव ट्रेडिंग पूंजी बाजार की एक सुरक्षात्मक विधा है, जिसको लागू करने का मूल उद्देश्य किसी वाणिज्यिक एवं वित्तीय लेन-देन या स्टॉक होल्डिंग से एक होल्डिंग की एक प्रकार की सुरक्षा उपलब्ध कराना है, जिससे कीमतों में होने वाले असामान्य उतार-चढ़ाव का कोई बहुत प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। इस सुरक्षा को तकनीकी भाषा में क्या कहा जाता है?

- हेजिंग

- बाई बैक के प्रावधानों के तहत कोई भी सूचीबद्ध कम्पनी पहले निर्गमित अथवा जारी किए गए शेयरों का एक अंश पुनः वापस क्रय कर सकती है। पुनः वापस क्रय किया गया यह अंश क्या कम्पनी की चुकता पूंजी में सम्मिलित की जाती है?

- नहीं

- किसी भी कम्पनी का पूंजी आधार बाई बैक के बाद कम हो जाता है या बढ़ता है?

- कम हो जाता है

- भारत में बाई बैक का प्रावधान कब प्रारंभ किया गया?

- 31 अक्टूबर, 1998 से

- शेयर बाजार में किस प्रणाली तहत अंश-पत्रों, ऋणपत्रों तथा विभिन्न प्रकार के प्रतिभूतियों के अंशों का क्रय करते समय व्यक्ति एक समझौते के अनुसार एक निश्चित समय सीमा (कुछ सेटलमेंट) के बाद डिलीवरी उठावेगा या उसको आगे की तरफ खिसकाता रहेगा?

- बदला प्रणाली (Carry Forward System)

- सामान्यतः बदला सौदा के तहत डिलीवरी लेने के लिए कितने दिन की समय सीमा निर्धारित की जाती है?

- 90 दिन

अंतर्राष्ट्रीय बैंक की विदेशी शाखाएं इन्हें खरीदती हैं। इन कंपनियों के शेयरों का कारोबार तो घरेलू बाजारों में होता है, लेकिन डिजिटल रसीदों की विक्री नामित बैंकों की शाखाओं के जरिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर की जा सकती है। ऐसी आशंका है कि जीडीआर का इस्तेमाल विदेश में जमा काले धन को सफेद बनाकर देश में वापस लाने के लिए किया जा रहा है। इसके लिए स्विट्जरलैंड, हांगकांग, सिंगापुर, मॉरीशस, दुबई तथा कनाडा जैसे देशों में पंजीकृत फर्मों का पेंचीदा जाल बुना जाता है।

डेरिवेटिव ट्रेडिंग

डेरिवेटिव ट्रेडिंग पूंजी बाजार की एक सुरक्षात्मक विधा है। वस्तुतः एक प्रपत्र के रूप में डेरिवेटिव का अपना कोई अस्तित्व नहीं है। इसका महत्व शेयर जैसे प्रपत्रों से ही होता है। डेरिवेटिव ट्रेडिंग लागू करने का मूल उद्देश्य किसी वाणिज्यिक एवं वित्तीय लेन-देन या स्टॉक होल्डिंग से एक होल्डिंग की एक प्रकार की सुरक्षा उपलब्ध कराना है, जिससे कीमतों में होने वाले असामान्य उतार-चढ़ाव का कोई बहुत प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। इस सुरक्षा को तकनीकी भाषा में हेजिंग की संज्ञा दी जाती है। इसके लिए डेरिवेटिव की तीन श्रेणियां प्रयोग में लाई जाती हैं। पहली श्रेणी का डेरिवेटिव फॉरवर्ड है, दूसरी श्रेणी का फ्यूचर है तथा तीसरी श्रेणी का ऑप्शन है।

हुंडी

एक व्यक्ति द्वारा किसी निश्चित तिथि पर किसी व्यक्ति को एक निश्चित रकम देने का वायदा हुंडी (Promissory Notes) कहलाता है।

सावधि ऋण

सावधि ऋण (Term Loan) मध्यम अवधि और दीर्घकालीन अवधि के लिए प्रदान किए जाते हैं। ऋण भुगतान की अवधि पहले ही निर्धारित कर दी जाती है।